www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
13 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 129 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

यूपी में उफान पर नदियां, मकान-पेड़ घाघरा में समाए

लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद नदी में लटकी,60 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। पीलीभीत में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। तेज बहाव में किनारे पर बने मकान और विशाल पेड़ नदी में समा गए। लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद का आधा हिस्सा सरयू नदी में लटका हुआ है। कभी भी मस्जिद नदी में समा सकती है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है। प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। संगम के प्रमुख घाट पानी में डूबे हैं। लेटे हनुमान जी 14 दिन से जलमग्न हैं।

बलिया में गंगा खतरे के निशान से 1.5 मीटर ऊपर

बलिया में गंगा और सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इससे सदर, बैरिया और बांसडीह तहसील के कई गांवों और शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। शनिवार सुबह 8 बजे गायघाट गेज पर गंगा का जलस्तर 59.16 मीटर दर्ज हुआ। यह खतरे के निशान 57.615 मीटर से 1.545 मीटर ऊपर है। वहीं, चांदपुर गेज पर सरयू का जलस्तर 59.25 मीटर रहा, जो खतरे के निशान 58 मीटर से 1.25 मीटर अधिक है। हालांकि, सरयू का जलस्तर अब स्थिर हो गया है। सोनभद्र के रेणुकूट-पिपरी स्थित रिहंद बांध में पानी की आवक कम होने के बावजूद जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बुधवार रात 871.1 फीट पहुंचने के बाद बांध के सभी फाटक बंद कर दिए गए थे। शनिवार सुबह जलस्तर बढ़कर 871.4 फीट दर्ज किया गया। फिलहाल पानी की निकासी सिर्फ टरबाइनों के जरिए हो रही है और सभी छह टरबाइन चालू हैं।

डोडा में पाकिस्तानी आतंकी का सड़ा शव हुआ बरामद

एम 4 राइफल भी मिली,1980 में अमेरिकी सेना ने किया था इस्तेमाल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी आतंकी का शव सुरक्षाबलों ने शनिवार को बरामद किया। इसके पास से नाइट विजन क्षमता वाली एम 4 राइफल भी बरामद हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को सर्च के दौरान आतंकी के अवशेष बरामद किए। पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। 1980 के दशक की एम 4 असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल अफगानिस्तान युद्ध के दौरान नाटो और अमेरिकी सेना करती थी। युद्ध और शहरी संघर्ष के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक हल्की, गैस-संचालित राइफल है। अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो बलों के निकलने के बाद, इन राइफलों पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था।

संक्षिप्त

बेंगलुरु से लापता लड़की 7 महीने बाद ओटीपी से मिली

सरकारी योजना के लिए पति के नंबर से रजिस्ट्रेशन कराया था, पुलिस ने ट्रैक किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में जनवरी से लापता 18 साल की छात्रा को पुलिस ने करीब 7 महीने बाद ओटीपी की मदद से खोज निकाला। वह 31 जनवरी को नाबालिग सहेली के साथ कॉलेज जाने का कहकर घर से निकली थी। दोनों मोबाइल फोन और सिम कार्ड घर पर छोड़ गई थीं। उनके पास सिर्फ आधार कार्ड और कॉलेज बैग था। काफी

समय तक पुलिस को दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। बाद में छात्रा ने आधार कार्ड से एक सरकारी स्वास्थ्य योजना के लिए आवेदन किया। इसमें उसने अपने पति का मोबाइल नंबर दिया था। आवेदन के दौरान इसी नंबर पर ओटीपी आया। पुलिस ने नंबर को ट्रेस किया और छात्रा तक पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने शादी कर ली है और वह गर्भवती है। हाईकोर्ट में पेश करने के बाद उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। हालांकि, उसके साथ घर से निकली नाबालिग लड़की का अभी तक पता नहीं चला है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

उत्तरप्रदेश चुनाव से पहले मायावती की 'सरप्राइज एंट्री'

दीपिका आनंद संभालेंगी बीएसपी की कमान!

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी के भीतर चल रहा राजनीतिक विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बसपा प्रमुख मायावती ने पहले बड़े भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया। उन्हें राजनीतिक उत्तराधिकारी तक घोषित कर दिया। लेकिन, पिछले तीन वर्षों में तीन बार बसपा प्रमुख ने आकाश आनंद को तीन बार तमाम पदों से हटाया। दूसरी बार पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। दूसरे भतीजे ईशान आनंद को वह राजनीति में एंट्री दे चुकी हैं। उन्हें पार्टी में नॉर्थ

इंडिया का प्रभारी बनाया गया। अब मायावती ने राजनीति उत्तराधिकारी के मसले पर स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने साफ किया है कि उनके भाई आनंद कुमार के बेटों में किसी को अब बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। इस मामले में उन्होंने आनंद कुमार की इकलौती बेटी दीपिका आनंद के नाम का प्रस्ताव उनको राजनीतिक मदद के लिए दिया है। साथ ही, आनंद कुमार के बेटों के लिए नो-एंट्री की बात कही गई है। कुमारी दीपका आनंद बसपा प्रमुख मायावती की भतीजी और छोटे भाई आनंद कुमार की इकलौती बेटी हैं। आनंद कुमार बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और उनकी गिनती पार्टी के ताकतवर नेताओं में से होती है। वह पर्दे के पीछे से हमेशा मायावती के साथ रहे।

ब्रिक्स समिट में 'ब्रांड बिहार' का बज रहा डंका!

विदेशी मेहमानों को तोहफे में मिलेगा सत्तू और मखाना मिथिला पेंटिंग्स ने जीता दिल,स्थानीय उत्पादों की धूम

पटना/दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर धूम देखने को मिल रही है। सम्मेलन में शामिल हुए विदेशी प्रतिनिधियों और मेहमानों को एक खास 'गुड्डी बैग' गिफ्ट में दिया जा रहा है। इस बैग में बिहार का प्रसिद्ध सत्तू और मखाना, केले के चिप्स, ओडिशा की खास कॉफी और गुजरात का ब्लॉक प्रिंटेड दुपट्टा (स्टोल) शामिल है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विदेशी मेहमानों को भारतीय संस्कृति,विविधता और अलग-अलग राज्यों के पारंपरिक स्वादों से परिचित कराना रहा।

सत्तू-मखाना और मिथिला पेंटिंग को शामिल करने से गदगद संजय झा

सोशल मीडिया एक्स पर जेडीयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने लिखा, बिहार की शान, सत्तू-चोखा के जरिए दुनिया के सामने आ रही है। यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स समिट में भारतीय और विदेशी पत्रकारों के लिए तैयार किए गए गिफ्ट हैम्पर्स में बिहार के मखाने और हमारे सुपरफूड सत्तू को जगह मिली है। ये हमारे किसानों के लिए एक बेहतरीन सम्मान है। बिहार के खेतों से लेकर ग्लोबल मंच तक, हमारे मखाने और सत्तू राज्य की समृद्ध विरासत और अनोखे उत्पादों को दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं। इसके अलावा संजय झा ने ब्रिक्स समिट की गैलरी में मिथिला पेंटिंग्स को जगह मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा,ब्रिक्स गर्व का पल! ब्रिक्स समिट में छाई मिथिला की चित्रकला, विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने सराहा! हमें खुशी है कि मिथिला की प्राचीन चित्रकला और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए इसे लाया गया।

ब्रिक्स के मेहमानों को गिफ्ट में सत्तू-मखाना सीएम सम्राट खुश

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में विदेशी मेहमानों को बिहार का सत्तू और मखाना भी परोसा गया। सीएम सम्राट चौधरी ने भी इस पर खुशी जताई है। सीएम ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन में वेलकम किट में सत्तू और मखाना को शामिल किया जाना हमारे प्रदेश के स्वाद, परंपरा और उद्यमिता की पहचान है। सीएम ने इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया है। कहा कि प्रधानमंत्री लोकल टू ग्लोबल के संकल्प को साकार किया है। लिखा है कि नए बिहार की नई पहचान, बिहार का स्वाद अब दुनिया के सामने है।

टीएमसी के बागी गुट की ममता बनर्जी को चुनौती

कहा-नंदीग्राम से उपचुनाव लड़ें,हम नहीं उतारेंगे उम्मीदवार

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न के लिए जारी लड़ाई अब नंदीग्राम उपचुनाव तक पहुंच गई है। बागी गुट ने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी से वहां से चुनाव लड़ने को कहा है और वादा किया है कि वे उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। बुधवार को सार्वजनिक रूप से दिया गया यह प्रस्ताव एक अपील भी है और एक चुनौती भी। 2021 में नंदीग्राम में बनर्जी को अपने करियर का सबसे बड़ा चुनावी झटका लगा था। उन्होंने इस सीट को बीजेपी के खिलाफ अपने अभियान का मुख्य केंद्र बनाया था, लेकिन वह अपने ही पूर्व सहयोगी और बीजेपी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से हार गईं। इसके अलावा, टीएमसी का बागी गुट अपनी चुनावी साख साबित करने की होड़ में लगा है, जबकि पार्टी के नाम और 'घास पर दो फूल' वाले चुनाव चिह्न पर उसका दावा अब भी निर्वाचन आयोग के पास लंबित हैं।

बागी टीएमसी गुट के प्रवक्ता रिजु दत्ता ने दी चुनौती- पश्चिम बंगाल विधानसभा के बाहर बागी टीएमसी गुट के प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से चुनाव लड़ती हैं, तो हम अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। हम चाहते हैं कि वह चुनाव लड़ें, जीतें और विधानसभा लौटें। इस साल हुए विधानसभा चुनावों में, अधिकारी ने नंदीग्राम से जीत हासिल की और साथ ही बनर्जी को उनके गढ़ भवानीपुर में भी हराया। उन्होंने भवानीपुर की सीट अपने पास रखी और दूसरी सीट छोड़ दी, जिससे उपचुनाव की जरूरत पड़ी। टीएमसी के एक और बागी विधायक मदन मित्रा ने कहा कि इस फैसले का मकसद भाजपा-विरोधी वोट के बंटवारे को रोकना और बनर्जी को नंदीग्राम में आसानी से जीत दिलाना था। मित्रा ने कहा कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से चुनाव लड़ती हैं, तो हम अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। इससे यह साबित होगा कि हमने बीजेपी को विपक्ष के वोट बांटने का मौका नहीं दिया है।

किसी के खिलाफ नहीं हैं ब्रिक्स के देश

मोदी ने कहा-हमारी सोच सबको साथ लेकर चलने की

पीएम बोले-पिरामिड की तरह है वैश्विक शासन की संरचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 18वें ब्रिक्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ नहीं है, बल्कि सबको साथ लेकर चलने का मंच है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुए सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत सदस्य देशों के नेता मौजूद रहे।

ब्रिक्स देशों के बीच संयुक्त बयान जारी करने पर सहमति बन गई है। यह सहमति ऐसे समय में बनी है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है और ईरान, सऊदी अरब और यूएई के कई मुद्दों पर अलग-अलग रुख हैं। भारत ने लगातार बातचीत के जरिए इन मतभेदों को दूर करने और सदस्य देशों के बीच सहमति बनाने में अहम भूमिका निभाई।

शक्ति और निर्णय लेने की शक्ति शीर्ष पर केंद्रित

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वैश्विक शासन की वर्तमान संरचना एक पिरामिड की तरह है, शक्ति और निर्णय लेने की शक्ति शीर्ष पर केंद्रित है, जबकि निचले स्तरों में वे राष्ट्र शामिल हैं जो इन निर्णयों से प्रभावित होते हैं लेकिन उन्हें आकार देने में असमर्थ हैं। हमें वैश्विक दक्षिण को नियम मानने वालों से नियम बनाने वालों में बदलने के लिए काम करना होगा।

ब्रिक्स देश किसी के खिलाफ नहीं

पिछले 20 सालों में ब्रिक्स ने वैश्विक मंच पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यह शिखर सम्मेलन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। ब्रिक्स किसी के खिलाफ नहीं है। पीएम मोदी ने इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक शासन के लिए एक 10-सूत्रीय रोडमैप का प्रस्ताव रखा है। अब यूएन सुरक्षा परिषद के सुधारों में और देरी नहीं की जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत में सभी मेहमानों का स्वागत करना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता पूरी तरह से मानवता-प्रथम और जन-केंद्रित सोच पर आधारित रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि हाल के वर्षों में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंधों में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश अब और ऊंचे लक्ष्य तय कर रहे हैं तथा रक्षा, एआई पर काम कर रहे हैं।

प्रज्जवल रेवन्ना के मोबाइल में पोर्न वीडियो की पुष्टि

जेल से जब्त हुआ था,रेप केस में काट रहा उम्रकैद

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में कई पोर्न वीडियो और पेन ड्राइव में वेब सीरीज मिलने की बात सामने आई है। शनिवार को फोन और अन्य डिवाइस की फोरेंसिक जांच में इसका पता चला। क्राइम ब्रांच ने 11 अगस्त को परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में छापा मारा था। इस

दौरान रेवन्ना को जेल की कोठरी में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़ा गया। अधिकारियों ने मोबाइल, चार्जर, पेन ड्राइव और नोटबुक जब्त की थी। प्रज्वल, जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। वह नौकरानी से रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। जेल में मोबाइल, पेन ड्राइव या नशीली चीजें मिलने पर कैदी की सुविधाएं कम की जा सकती हैं या उसे अलग सेल में रखा जा सकता है। उसके खिलाफ नया केस दर्ज हो सकता है और अतिरिक्त जेल की सजा भी हो सकती है। जांच में सामने आया कि जेल के अंदर फोन 75 हजार से 2 लाख रुपए तक में बेचा जाता था।

इतिहास में पहली बार रॉयल एयर फोर्स के पायलटों के गुरु बने अफसर

ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग देंगे वायुसेना के तीन जांबाज पायलट

लंदन (एजेंसी)। आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतीय वायु सेना के तीन पायलट ट्रेनर के तौर पर रॉयल एयर फोर्स में शामिल हुए हैं। वे वेल्स में रायल वैली में युवा ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग देंगे। यह घटना 1932 में औपनिवेशिक भारत में अंग्रेजों की तरफ से शुरुआती वायु सेना स्थापित किए जाने के लगभग एक सदी बाद हुई है। आईएएफ के तीन पायलट क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर के तौर पर शामिल हुए

हैं। यह पहली बार है जब भारतीय एयरफोर्स को यूके में रॉयल पायलटों को फ्लाइंग ट्रेनिंग देने के लिए भेजा गया है। उनकी तैनाती शुरू में दो साल के लिए होगी। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में तीनों पायलटों की एक तस्वीर शेयर की और कहा फोर्स के तीन अफसर रॉयल एयर फोर्स के पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए पहुंचे हैं।

एकेडमी में ट्रेनर बने भारतीय वायुसेना के 3 पायलट

इस टीम की अगुवाई स्क्वाड्रन लीडर रैंक के एक अधिकारी कर रहे हैं। भारतीय इंस्ट्रक्टर पायलटों को एयरक्राफ्ट पर ट्रेनिंग देंगे। इस एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल आईएएफ भी अपने फाइटर पायलटों की आखिरी ट्रेनिंग के लिए करती है। हॉक, सेना का एडवांस्ड जेट ट्रेनर है। यह पायलटों की ट्रेनिंग का आखिरी चरण होता है जिसके बाद वे फ्रंटलाइन, भारी और तेज रफ्तार वाले एयरक्राफ्ट उड़ाने के लिए तैयार हो जाते हैं। पायलटों को यूके भेजने का फैसला इस साल फरवरी में लिया गया था। यह फैसला नई दिल्ली में 19वीं यूके-इंडिया एयर स्टाफ बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच मिलिट्री ट्रेनिंग में सहयोग बढ़ेगा।

पीए के घर छापे के बाद संकट में हरीश रावत

उत्तराखंड के पूर्व सीएम बोले-कांग्रेस के सारे पद छोड़ दूंगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शनिवार को पार्टी के सभी पदों को छोड़ने की पेशकश की है। इसको लेकर रावत ने सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखी है। रावत फिलहाल कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य और कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। ऐसे समय में मेरे किसी मामले से अगर पार्टी के संघर्ष को नुकसान पहुंचता है तो मैं ऐसा नहीं चाहूंगा। इसलिए मैं पार्टी में मिली दोनों जिम्मेदारियों से हटना चाहता हूं। 10 सितंबर को रावत के पूर्व पीए चंदन सिंह जीना के घर प्रवर्तन निदेशालय की रेड हुई थी। इसमें 1.28 करोड़ की संपत्तियां जब्त की गई थीं। जीना वर्तमान में रावत के पर्सनल असिस्टेंट हैं। रावत ने कहा कि मैं इस समय किसी सरकारी पद पर नहीं हूं, इसलिए वहां से इस्तीफा देने का सवाल नहीं है। चंदन सिंह जीना को लेकर रावत ने कहा कि वह मेरे ओएसडी रह चुके हैं। मेरे मुख्यमंत्री रहने के दौरान पार्टी और सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालते थे।

दुनिया छोड़िए भारत अपने पड़ोस में ही बेगाना

सात अक्टूबर को मोदी के शीर्ष सरकारी पद पर रहते हुए 25 साल के मौके को खास बनाने के लिए बहुत कुछ हैं। उससे पहले उनका जन्मदिन भी है। वे 17 सितंबर को 76 साल के होंगे। पिछले साल जब अमृत वर्ष हुआ था तब इस बात की बहुत चर्चा हुई थी कि अब वे 75 साल के हो गए तो क्या पार्टी के अघोषित नियम के मुताबिक उनको रिटायर हो जाना चाहिए? उसी समय संघ प्रमुख मोहन भागवत भी 75 साल के हुए थे। फिर दोनों ने तय किया कि 75 साल का नियम दूसरे लोगों के लिए है, जो उन पर लागू नहीं होगा और दोनों अपने पद पर बने रहे।

पिछले साल जुलाई में मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,078 दिन पद पर रह कर इंदिरा गांधी का 4,077 दिन लगातार पीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ा था। इस साल 10 जून को एक नए रिकॉर्ड की खूब चर्चा हुई। भाजपा ने एक नई श्रेणी बनाई और कहा कि मोदी अब सबसे ज्यादा दिन पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री हो गए हैं। भाजपा का कहना है कि नेहरू 1947 में प्रधानमंत्री बने तो निर्वाचित नहीं थे। निर्वाचित प्रधानमंत्री वे 1952 में बने थे और लगातार 4,398 दिन पद पर रहे थे।

10 जून 2026 को मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 4.399 दिन पूरे हुए और उन्होंने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मोदी की इन दोनों उपलब्धियों में लगातार और निर्वाचित शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में वे अब भी इंदिरा गांधी से तीन साल और नेहरू से पांच साल पीछे हैं। जब भाजपा और केंद्र सरकार इस बात का उत्सव मना रहे थे कि मोदी लगातार सबसे ज्यादा दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं और नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है तब हिंदी के एक लेखक ने तंज करते हुए लिखा था कि मोदी जब 79 साल के होंगे तब वे धरती पर महात्मा गांधी से ज्यादा सांस लेने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

बहरहाल, उनके नाम से अनगिनत रिकॉर्ड दर्ज हो गए हैं। वे लगातार सबसे ज्यादा दिन प्रधानमंत्री रहने वाले निर्वाचित नेता हैं, मुख्यमंत्री रहते पीएम पद के दावेदार घोषित होने और पीएम बनने वाले पहले नेता हैं, दोनों पद मिला कर 25 साल रहने वाले पहले नेता हैं, संसद की सीढ़ियों पर माथा टेकने वाले पहले नेता हैं, संविधान को माथे से लगा कर सेंट्रल हॉल में भाषण देने वाले पहले नेता हैं, नए संसद भवन में बतौर प्रधानमंत्री बोलने वाले पहले नेता हैं। आदि, आदि। सोचें, उन्होंने क्या क्या रिकॉर्ड नहीं बनवाए। नेहरू ने आजादी की आधी रात को भाषण दिया था तो मोदी ने भी आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी कानून लागू कराया था। 'एक देश, एक कानूनइ का ढिंढोरा पीटा गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश अब भी कई तरह के टैक्स से जूझ रहा है। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते जीएसटी का विरोध करने वाले मोदी ने जिस धूमधाम से जीएसटी लागू किया वह हैरान करने वाला था। नोटबंदी के तुरंत बाद लागू किए गए जीएसटी ने देश के छोटे व मझोले उद्यम के इकोसिस्टम को तबाह कर दिया। फिर भी नोटबंदी भी उपलब्धि है और जीएसटी भी उपलब्धि है। लोग कहेंगे कि अब मोदीजी नोटबंदी पर नहीं बोलते हैं। उनको बोलने की जरुरत नहीं है। अभी एक भव्य बजट की फिल्म बनवा कर दिखाया गया है कि नोटबंदी का देश को कितना फायदा मिला।

एक देश, एक टैक्स की तरह प्रधानमंत्री को एक देश, एक कुछ भी करने का जुनून है। तभी एक देश, एक परीक्षा के लिए एनटीए का गठन किया गया। देश के इतिहास में इतना नाकारा कोई संगठन आज तक नहीं बना है। आए दिन पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, धांधली आदि की खबरें आती हैं। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी परीक्षा मेडिकल में दाखिले की नीट यूजी परीक्षा होती है। पिछली तीन परीक्षाओं में से दो में पेपर लीक हो गए और परीक्षा केंद्रों पर धांधली हुई।

इसके बाद भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कराने के लिए छात्रों को 35 दिन दिल्ली में धरना देना पड़ा। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। भाई साहेब लोगों के आगे पीछे घूमने वाले फिसड्डी लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। सारे रिसर्च सेंटर भी ऐसे ही चल रहे हैं। खुद नीति आयोग ने कहा है कि देश के 15 से 29 साल के युवाओं में से 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न पढ़ रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई काम कर रहे हैं। सोचें, लगभग नौ करोड़ लोग ऐसे हैं, जो कुछ नहीं कर रहे हैं। यह शिक्षा और कौशल विकास योजना की उपलब्धि है! अब एक देश, एक चुनाव की तैयारी चल रही है।

विश्व आदिवासी अधिकार दिवसः संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के संदर्भ में आदिवासी अधिकार

राज कुमार सिन्हा

13 सितंबर का दिन आदिवासी समुदायों के अधिकारों के संघर्ष के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 13 सितंबर 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'संयुक्त राष्ट्र आदिवासी लोगों के अधिकारों की घोषणा' को भारी बहुमत से स्वीकार किया था। घोषणा के पक्ष में 143 देशों ने मतदान किया था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह घोषणा दुनिया के आदिवासी लोगों के अस्तित्व, गरिमा, कल्याण, संस्कृति, भूमि और सामूहिक अधिकारों के लिए न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मानकों का व्यापक ढांचा है। यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है कि आदिवासी समुदायों का सवाल केवल गरीबी या पिछड़ेपन का सवाल नहीं है, बल्कि पहचान, संस्कृति, स्वशासन, भूमि, प्राकृतिक संसाधनों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिकारपूर्ण भागीदारी का सवाल है। भारत में भी आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान ने सामान्य नागरिक अधिकारों से आगे बढ़कर विशेष संवैधानिक और वैधानिक व्यवस्था की है। भारतीय संविधान ने अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण, स्वशासन तथा प्राकृतिक संसाधनों पर उनके परंपरागत अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधान किए हैं। संविधान का अनुच्छेद 244 पांचवीं एवं छठी अनुसूची के प्रशासन की आधारशिला है। पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आने वाले राज्यों में राज्यपाल को विशेष संवैधानिक दायित्व सौंपे गए हैं, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अनुसूचित क्षेत्रों में लागू होने वाले कानून आदिवासी समाज की परंपराओं, संस्कृति, आजीविका तथा सामुदायिक अधिकारों के प्रतिकूल न हों।पांचवीं अनुसूची के पैरा 5(1) के अनुसार राज्यपाल किसी भी संसदीय या राज्य कानून को अनुसूचित क्षेत्रों में पूर्णतः लागू न करने, संशोधित रूप में लागू करने अथवा आवश्यक अपवादों एवं परिवर्तनों के साथ लागू करने का अधिकार रखते हैं। वहीं पैरा 5(2) राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों में शांति और सुशासन के लिए विनियम बनाने की शक्ति प्रदान करता है। इन विनियमों के माध्यम से भूमि हस्तांतरण पर रोक, आदिवासियों की भूमि की सुरक्षा तथा साहूकारी जैसी शोषणकारी व्यवस्थाओं को नियंत्रित किया जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के लिए केंद्र सरकार राज्यों को विशेष अनुदान प्रदान करती है। अनुच्छेद 338A के तहत गठित राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के संरक्षण, निगरानी तथा सरकार को अनुशंसा देने का अधिकार प्राप्त है।संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम स्वशासन को सशक्त बनाने हेतु पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) लागू किया गया। इस कानून के अनुसार ग्राम सभा को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, लघु वनोपज, जल स्रोतों, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, खनन, स्थानीय योजनाओं तथा सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े विषयों पर निर्णायक भूमिका प्रदान की गई है। ग्राम सभा को आदिवासी स्वशासन की मूल इकाई माना गया है।इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकारों को कानूनी मान्यता दी गई। इस कानून में सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन एवं उपयोग का अधिकार ग्राम सभा को दिया गया है तथा यह स्वीकार किया गया है कि वनों के संरक्षण में आदिवासी समुदायों की ऐतिहासिक भूमिका रही है। इसके अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित वर्तमान कानूनों में भी अनुसूचित क्षेत्रों के लिए ग्राम सभा की सहमति, सामाजिक प्रभाव आकलन तथा प्रभावित परिवारों के अधिकारों के संरक्षण संबंधी विशेष प्रावधान किए गए हैं। आदिवासी उप-योजना (ट्राइबल सब प्लान- टीएसपी) भारत में अनुसूचित जनजातियों के त्वरित और सर्वांगीण विकास के लिए बनाई गई एक विशेष रणनीति और वित्तीय व्यवस्था है। इसके तहत कुल योजना बजट का एक निश्चित हिस्सा (आमतौर पर उनकी जनसंख्या के अनुपात में) आदिवासी क्षेत्रों और समुदायों के विकास के लिए आरक्षित रखा जाता है। यह योजना उन ब्लॉकों या तहसीलों में लागू की जाती है जहां आदिवासी आबादी 50 प्रतिशत या उससे अधिक होती है। इसका मुख्य उद्देश्य है शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को बढ़ाना तथा आदिवासियों का शोषण रोकना है।

पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

ललित गर्ग

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पधाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है।

संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है। भगवान महावीर का संदेश-'मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ'-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं।

आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है।

पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मोन्नयन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सवेरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर की उक्त चार बैंकिंग संस्थानों की रिपोर्ट स्पष्ट कहती हैं कि भारत विकास के राह पर बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है एवं भारत के आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार सुधार कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। अब पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भी भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया जाएगा, ऐसी आशा की जानी चाहिए।

जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी (जेसीआरए) ने भारत की सार्वभौम (सावरेन) क्रेडिट रेटिंग में सुधार करते हुए इसे बीबीबी+ से बढ़ाकर ए-कर दिया है। भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी कई कारणों के चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूरे विश्व में समस्त बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है एवं भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, इस देश में नागरिकों को अपने विचार रखने की आजादी है अतः विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अभी हाल ही में अन्य देशों में निवासरत भारत के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दशार्ता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे है। हाल ही में, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूपीआई की मांग अब विश्व के अन्य देशों द्वारा भी की जा रही है। जनधन योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़ दिया गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। डिरेक्ट बेनिफिट ट्रान्स्फर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारत में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, सरकारी खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च पिछले 5 वर्षों में तीन गुना हो गए हैं। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सांतवा, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आंठवां, भारत का वित्तीय घाटा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी की है।

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इससे उस देश में विदेशी निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा निम्न प्रकार की क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती है। AAA - यह प्राइम क्रेडिट रेटिंग मानी जाती है एवं यह देश निवेश की दृष्टि से इन्वेस्टमेंट ग्रेड का है। AA - क्रेडिट रेटिंग भी हाई ग्रेड की मानी जाती है। A - क्रेडिट रेटिंग अपर मीडीयम ग्रेड की मानी जाती है। BBB - क्रेडिट रेटिंग लोअर मीडीयम ग्रेड को दशार्ती है। BB - क्रेडिट रेटिंग नोन-इन्वेस्टमेंट ग्रेड एवं स्पेक्युलेटिव की श्रेणी में गिनी जाती है। B - क्रेडिट रेटिंग हाइली स्पेक्युलटिव श्रेणी में आती है एवं C - क्रेडिट रेटिंग अधिकतम रिस्क की श्रेणी में गिनी जाती है। भारत की क्रेडिट रेटिंग BBB+ ग्रेड में मानी जा रही थी जो अब सुधरकर A- कर दिया गया है।

पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में पिछले कई वर्षों से बदलाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इस दौरान विशेष रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुए विकास दर को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो BBB- के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा 18 वर्ष पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे BBB के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडी ने जून 2020 के पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को Baa3 की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। उक्त एजेन्सीयां भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को उचित तरीके से नहीं दशार्ती हैं। जबकि, भारत के आर्थिक संकेतक बहुत मजबूत बने हुए हैं।

हाल ही में, विश्व के चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों ने भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट जारी की है। जिसमें भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की गई है। जेफ्रीज नामक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल फोन, स्टील, सीमेंट, सोलर पैनल एवं ट्रक के निर्माण के क्षेत्र में भारत आज दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2014 में स्पेस के क्षेत्र में भारत में केवल एक स्टार्टअप था आज भारत में इस क्षेत्र में 400 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। चिप निर्माण में 12 प्रोजेक्ट पर भारत में काम हो रहा है एवं 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हो रहा है। साथ ही, 3 विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन भी प्रारम्भ हो गया है। जेफ्रीज ने इस रिपोर्ट को नाम दिया है 'इंडिया न्यू इंडस्ट्रीयल रेवोल्यूशन'। दूसरी रिपोर्ट आई है बैंक ओफ अमेरिका से, जो कहती है कि भारत में बहुत कुछ बदल रहा है। पिछले 24 माह में भारत में 18 सुधार कार्यक्रम लागू हुए हैं। वस्तु एवं सेवा कर के ढांचे में 5 के स्थान पर मुख्यतः अब 2 दरें लागू कर दी गई हैं एवं इसे बहुत सरल बना दिया गया है। 12 लाख रुपए की कमाई तक, आय कर शून्य कर दिया गया है। नए लेबर कोड्ज भी लागू कर दिए गए हैं एवं सोशल सिक्यरिटी का दायरा भी बढ़ा दिया गया है।

तीसरी रिपोर्ट आई है (BERNSTEIN) बॉर्नस्टीन नामक संस्थान से, जो कहती है कि भारत के विकास में कुछ हिस्सा सरकारी सहयोग से आ रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में अपने पूंजीगत खर्चों में भारी वृद्धि की है। जून 2026 तिमाही में भारत की 200 सबसे बड़ी कम्पनियों की आय 12 प्रतिशत बढ़ी है। वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी करने से नागरिकों की जेब में करीब 20,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि पहुंची है। भारत के गांवों में कमजोर मानसून के बावजूद उत्पादों की मांग मजबूत बनी हुई है।

चौथी रिपोर्ट आई है मोर्गन सटेनली नामक संस्थान से, इसके अनुसार, पिछले वर्ष विश्व के 24 स्टॉक मार्केट में से भारत का मार्केट, रिटर्न देने के मामले में 23वें स्थान पर रहा है। यह कड़वा सच है। परंतु, ऊपर जाने के रास्ता लम्बा है पर यहीं से निकलता है। अभी भारत का सेन्सेक्स 76000 के आसपास हैं, जो जून 27 तक बढ़कर परिस्थिति अनुसार, 89000 अथवा 100000 के स्तर तक पहुंच सकता है। भारतीय कम्पनियों के शेयर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुछ सस्ते हो गए है। चूंकि भारतीय स्टॉक मार्केट ने पिछले वर्ष अच्छे रिटर्न नहीं दिए हैं अतः मार्केट इस वर्ष इस गलती को सुधारने को तैयार हो रहा है। भारत में निवेश, नागरिकों की बचत से आ रहा है, प्रति माह करोड़ों नागरिक रक्ष के माध्यम से हजारों करोड़ रुपए का निवेश देश के पूंजी बाजार में कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार में आज देशी निवेशकों का निवेश विदेशी निवेशकों के निवेश की तुलना में अधिक हो गया है। जब विदेशी निवेशक वापिस भारतीय शेयर बाजार में लौटेंगे तो उन्हें आज की तुलना में महंगे शेयर खरीदने होंगे। अर्थात, भारतीय शेयर बाजार गिरा जरूर है, परंतु इसीलिए आगे का रास्ता लम्बा हो सकता है लेकिन जाना उसे ऊपर की ओर ही है।

वैश्विक स्तर की उक्त चार बैंकिंग संस्थानों की रिपोर्ट स्पष्ट कहती हैं कि भारत विकास के राह पर बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है एवं भारत के आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार सुधार कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। अब पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भी भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया जाएगा, ऐसी आशा की जानी चाहिए।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विनोबा भावे के विचारों को आत्मसात कर ही होगा सर्वोत्थान : नागेंद्र उनियाल

कण्वाश्रम ग्राम स्वराज समिति और सर्वोदय गढ़वाल मंडल ने मनाई भूदान आंदोलन के प्रणेता विनोबा भावे की 131वीं जयंती, सामाजिक सेवा के लिए कै. पी.एल. खंतवाल को मिला 'भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे सम्मान-2026'

आयोजित कार्यक्रम में पीएल खंतवाल को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : समाज के सर्वांगीण उत्थान के लिए आचार्य विनोबा भावे के विचारों को आत्मसात करना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक है। उनके 'सर्वोदय' के विचार में पूरे मानव समाज के कल्याण की भावना निहित है। यह बात वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र उनियाल ने कही।

कण्वाश्रम ग्राम स्वराज समिति एवं सर्वोदय गढ़वाल मंडल के संयुक्त तत्वावधान में हल्दूखाता स्थित बोक्सा बालिका जनजाति विद्यालय में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्नल (सेवानिवृत्त) बिमला रावत ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार सुभाष चंद्र नौटियाल और समाजसेवी डॉ. कमलेश कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वधर्म प्रार्थना से हुआ। मुख्य अतिथि नागेंद्र उनियाल ने कहा कि आज समाज अपने महापुरुषों द्वारा स्थापित नैतिक मूल्यों और आदर्शों को धीरे-धीरे भूलता जा रहा है। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे का 'सर्वोदय' केवल एक विचार नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के कल्याण का मार्ग है। समाज में बढ़ती वैमनस्यता और विभाजन को समाप्त करने के लिए इस विचार को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी समाज तब तक वास्तविक प्रगति नहीं कर सकता, जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान सुनिश्चित न हो। गढ़वाल सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र लाल आर्य ने आचार्य विनोबा भावे के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन को समाज के अंतिम व्यक्ति, गरीब, शोषित और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। वक्ताओं ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी और आध्यात्मिक विचारक विनोबा भावे ने स्वतंत्र भारत में भूमिहीनों को भूमि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 1951 में भूदान आंदोलन की शुरुआत की थी। इस आंदोलन के माध्यम से बड़ी संख्या में भूमिहीन लोगों को भूमि उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। वहीं, सर्वोदय के माध्यम से उन्होंने गरीबों, शोषितों और वंचितों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। इस अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में समर्पित सेवाओं के लिए कै. पी.एल. खंतवाल को 'भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीता रावत शाह एवं डॉ. सुरेंद्र लाल आर्य ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक प्रकाश कोठारी, प्रो. बी.सी. शाह, शील सौरव रावत, स्नेहदीप रावत, एस.एन. नौटियाल, राजेंद्र पंत, कंचन रावत, प्रीति रावत, मीना बछुवाण, लक्ष्मी देवी, धीरजधर बछुवाण, राजेंद्र सिंह नेगी, शूरवीर खेतवाल, महेंद्र पाल सिंह रावत, रिपुदमन बिष्ट, धीरेंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा चलाएगी सेवा संकल्प अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से भाजपा सेवा संकल्प अभियान शुरू करेगी। अभियान के तहत क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की जाएगी। इसके बाद पूरे माह विभिन्न सेवा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के संचालन के लिए पार्टी स्तर पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं।

शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर देशभर में लाभार्थियों की ओर से दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भी पार्टी की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से सात अक्टूबर तक सरकारी और निजी विद्यालयों में ह्यसेवा चित्रह्ण कार्यक्रम के तहत ह्यविकसित भारत संकल्पह्ण विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। इसके अलावा आंगनवाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय ह्याआंगन का मिलनह्ण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान करने के साथ लाभार्थी माताओं से संवाद किया जाएगा। बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियां भी होंगी और उन्हें पोषण व स्वास्थ्य से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। जिलाध्यक्ष ने बताया कि अभियान के दौरान भाजपा कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बहुद्देशीय शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याओं को संबंधित विभागों के माध्यम से दूर कराने का प्रयास किया जाएगा।

ग्रास्टनगंज में हाथियों की धमक, दहशत में जन

ग्रास्टनगंज क्षेत्र में रात के समय आबादी के बीच घूमता हाथियों का झुंड।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जंगल से सटे आबादी क्षेत्रों में हाथियों की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। हाथियों के झुंड लगातार आबादी वाले इलाकों में पहुंचकर बाग-बगीचों और साग-सब्जी की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बीती रात हाथियों ने क्षेत्र में एक विद्युत पोल गिराकर क्षतिग्रस्त कर दिया। इससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पूर्व शिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजेश थपलियाल ने बताया कि रात के समय हाथियों का झुंड ग्रास्टनगंज में पहुंचा और काफी देर तक आबादी क्षेत्र में घूमता रहा। इस दौरान हाथियों ने विद्युत पोल को गिराकर तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी हाथियों ने कई घरों के गेट क्षतिग्रस्त किए हैं। आए दिन हाथियों की आवाजाही के कारण लोगों को शाम ढलते ही घरों से बाहर निकलने में डर लगने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वन क्षेत्र से नजदीक होने के कारण क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। हाथियों के झुंड के आबादी में पहुंचने से जहां फसल और बाग-बगीचों को नुकसान हो रहा है, वहीं किसी अनहोनी की आशंका भी बनी रहती है। वार्डवासियों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के साथ ही हाथियों को आबादी क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते समस्या का स्थायी समाधान किया जाना जरूरी है, ताकि भविष्य में हाथियों और इंसानों के बीच संघर्ष की किसी गंभीर घटना को रोका जा सके।

विधायक के आश्वासन के बाद भी धरने पर डटे रहे कर्मचारी

देवप्रयाग : जल संस्थान से स्थानांतरित जल निगम देवप्रयाग के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का लंबित मांगों को लेकर जल निगम कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन छठवें दिन भी जारी रहा। कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया। विधायक द्वारा दिए गए आश्वासन पर भी कर्मचारी नहीं माने। ब्लॉक प्रमुख विनोद बिष्ट के नेतृत्व में विधायक कार्यालय में हुई वार्ता के दौरान कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें माह अप्रैल 2026 से वर्तमान समय तक का वेतन नहीं मिला है। उन्होंने मांग रखी कि जल संस्थान देवप्रयाग की तर्ज पर ही जल निगम देवप्रयाग भी उन्हें मानदेय का भुगतान करे। वार्ता के दौरान विधायक ने कर्मचारियों की मांगों को जायज ठहराते हुए पूर्ण प्रयास करने का आश्वासन दिया और कहा कि शासन स्तर से जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी कराए जाएंगे।

विज्ञान प्रौद्योगिकी प्रीमियर लीग में ओम प्रसाद ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज एकेश्वर में विकासखंड स्तरीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रीमियर लीग और विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक ज्ञान और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रीमियर लीग के सीनियर वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज रीठाखाल के ओम प्रसाद ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी।

कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. गुंजन अमरोही ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज का दौर विज्ञान और तकनीकी का है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ ही उन्हें नवाचार और नई खोजों के लिए प्रेरित करती हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रीमियर लीग के सीनियर वर्ग में ओम प्रसाद प्रथम और राजकीय इंटर कॉलेज मासौं के ईशान्त रावत द्वितीय रहे। जूनियर वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज मैटाकुंड के वंश ने प्रथम तथा राजकीय इंटर कॉलेज रीठाखाल की राधिका ने द्वितीय स्थान हासिल किया। विज्ञान संगोष्ठी में राजकीय इंटर कॉलेज बग्याली की अंजलि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी विद्यालय की अंशिका द्वितीय रहीं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेश कुमार राय, खंड विज्ञान समन्वयक मंदीप सिंह, विज्ञान प्रीमियर लीग समन्वयक राकेश पोखरियाल, रविंद्र सिंह सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी मौजूद रहे।

राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज एकेश्वर में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

संक्षिप्त समाचार

दुर्गापुरी चौराहे पर यातायात पुलिस की तैनाती की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : घमंडपुर वार्ड के पार्षद अमित नेगी ने दुर्गापुरी चौराहे पर बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस की तैनाती की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने यातायात निरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर चौराहे पर पुलिसकर्मी अथवा होमगार्ड जवान की ड्यूटी लगाने का आग्रह किया। पार्षद अमित नेगी ने बताया कि दुर्गापुरी चौराहा भाबर क्षेत्र के साथ ही हरिद्वार की ओर आने-जाने वाले वाहनों के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। दिनभर यहां वाहनों और लोगों की आवाजाही बनी रहती है। चौराहे पर यातायात नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मी तैनात नहीं होने के कारण वाहनों के आवागमन में अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने कहा कि व्यस्त समय में चौराहे पर वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चौराहे पर नियमित रूप से पुलिसकर्मी या होमगार्ड की तैनाती होने से यातायात को नियंत्रित करने में काफी मदद मिलेगी और जाम की समस्या से भी राहत मिल सकती है। पार्षद ने यातायात पुलिस से जल्द आवश्यक कार्रवाई करते हुए दुर्गापुरी चौराहे पर पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

योग प्रतियोगिता में झंडीचौड़ और पोखड़ा का दबदबा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही शरदकालीन खेल प्रतियोगिताओं के चौथे दिन योग की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने योग के विभिन्न आसनों का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अंडर-19 बालक वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज झंडीचौड़ ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि पोखड़ा की टीम द्वितीय रही। इसी वर्ग के बालिका वर्ग में कांडाखाल ने बाजी मारी और कन्या इंटर कॉलेज की टीम दूसरे स्थान पर रही। अंडर-17 बालक वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज झंडीचौड़ प्रथम तथा पोखड़ा की टीम द्वितीय स्थान पर रही। अंडर-14 बालक वर्ग में पोखड़ा विकासखंड के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालकोट ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि विकासखंड खिर्सू दूसरे स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में पोखड़ा विकासखंड प्रथम और दुगड्डा विकासखंड द्वितीय रहा। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन और बेहतर प्रदर्शन का परिचय दिया। इस अवसर पर संजय शर्मा, विनय रावत, सुरेश सिंह, महेश्वर दास गुप्ता, राकेश डंगवाल, सौरभ मिश्र, जितेंद्र धस्माना, संजीव मोहन आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी बदहाल सड़क

श्रीनगर गढ़वाल : नगर से करीब 10 किलोमीटर दूर श्रीनगर-पौड़ी रोड पर धमाखोली-भेलगढ़ मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। लगभग तीन साल पूर्व इस सड़क के सुधारीकरण और पेंटिंग का कार्य पीएमजीएसवाई द्वारा शुरू किया गया। अब सड़क पर सुधारीकरण एवं पेंटिंग का कार्य पूरी तरह ठप होने से उबड़-खाबड़ सड़क पर ही आवागमन को मजबूर हैं। भेलगढ़ के विवेक कुमार, हरीश, प्रकाश आदि ग्रामीणों का कहना है कि पिछले तीन साल से ग्रामीण खस्ताहाल सड़क पर चलने को मजबूर हैं।

जीएमओयू की लग्जरी बस के संचालन पर रोडवेज कर्मियों का विरोध, किया प्रदर्शन

कोटद्वार में जीएमओयू की लग्जरी बस के आगे खड़े होकर प्रदर्शन करते कर्मचारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार से दिल्ली और गुरुग्राम के बीच गढ़वाल मोटर आनर्स यूनियन (जीएमओयू) की लग्जरी बस सेवा शुरू होने के विरोध में रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को रोडवेज कर्मियों ने बस अड्डे पर प्रदर्शन कर जीएमओयू की बस सेवा को निगम के हितों के विपरीत बताते हुए इसे बंद कराने की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहे रोडवेज को विभिन्न कारणों से लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है। बरसात के दौरान मार्ग बाधित रहने और कई रूटों पर संचालन प्रभावित होने से निगम की आय पर असर पड़ा है। ऐसे समय में समान रूट पर निजी बस सेवा शुरू होने से रोडवेज की आय और प्रभावित होने की आशंका है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने शासन और प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने सवाल उठाया कि जीएमओयू को दूसरे राज्यों में बस संचालन की अनुमति किस प्रक्रिया के तहत मिली। कर्मचारियों ने कहा कि यदि समय रहते इस मामले में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में अन्य राज्यों और रूटों पर भी निजी बसों का संचालन बढ़ सकता है, जिससे रोडवेज के सामने आर्थिक संकट और गहरा जाएगा। वहीं, प्रदर्शन के कुछ देर बाद जीएमओयू की लग्जरी बस निर्धारित समय पर दिल्ली रवाना होने के लिए बस अड्डे की ओर पहुंची। बस को देखते ही रोडवेज कर्मचारी उसके सामने आ गए और संचालन का विरोध करने लगे। कर्मचारियों और बस चालक के बीच काफी देर तक बातचीत होती रही। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कर्मचारियों को सड़क से हटाकर बस का रास्ता खुलवाया। इसके बाद बस जीएमओयू अड्डे पहुंची और निर्धारित समय पर दिल्ली के लिए रवाना हो गई। प्रदर्शन में शाखा अध्यक्ष जसविंदर सिंह, महेश चंद्र, जितेंद्र रावत, सुदीप सिंह सहित कई रोडवेज कर्मचारी मौजूद रहे।

बाहरी गोवंश की खरीद पर अग्रिम आदेशों तक रोक

श्रीनगर गढ़वाल : गोवंश में फैल रहे लंपी वायरस की रोकथाम और बचाव को लेकर आंचल डेयरी परिसर में शनिवार को ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जनपदों के पशु चिकित्सा अधिकारियों और डेयरी विकास विभाग के अधिकारियों को नियमित निगरानी, सैंपलिंग और वैक्सीनेशन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी आदेशों तक बाहर से नए गोवंश की खरीद पर रोक रखने को कहा गया है।

आंचल डेयरी के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि बैठक में लंपी वायरस की स्थिति की सटीक जानकारी जुटाने के लिए पशु चिकित्सा अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण करने, संदिग्ध पशुओं के सैंपल लेने और वैक्सीनेशन अभियान प्रभावी ढंग से चलाने के निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1366 वादों का निस्तारण, दो करोड़ से अधिक की वसूली

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी के तत्वावधान में शनिवार को जिला न्यायालय परिसर पौड़ी तथा बाह्य न्यायालय परिसर कोटद्वार, लैंसडौन एवं श्रीनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में आमजन ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हुए अपने विभिन्न वादों एवं विवादों का आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण कराया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल लगभग 1366 वादों का निस्तारण किया गया तथा विभिन्न मामलों में कुल 2,05,86,343/- (दो करोड़ पांच लाख छियासी हजार तीन सौ तैंतालीस रुपये) की धनवसूली/समझौता राशि निर्धारित की गई। इसके अतिरिक्त बैंक संबंधी धनवसूली के प्री-लिटिगेशन के 44 वादों का भी निस्तारण किया गया, जिनमें 15,48,000/- (पंद्रह लाख अड़तालीस हजार रुपये) की धनवसूली की गई। उल्लेखनीय है कि मई 2026 में आयोजित पिछली राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 766 वादों का निस्तारण किया गया था तथा 1,27,85,832/- (एक करोड़ सत्ताईस लाख पचासी हजार आठ सौ बत्तीस रुपये) की धनवसूली की गई थी। साथ ही बैंक संबंधी धनवसूली के प्री-लिटिगेशन के 12 वादों का निस्तारण करते हुए 7,09,000/- (सात लाख नौ हजार रुपये) की धनवसूली की गई थी। इस प्रकार सितंबर 2026 में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पिछली राष्ट्रीय लोक अदालत की तुलना में 600 अधिक वादों का निस्तारण किया गया। वहीं, नियमित मामलों में धनवसूली/समझौता राशि में भी लगभग 78 लाख की वृद्धि हुई। बैंक संबंधी प्री-लिटिगेशन मामलों में भी 12 से बढ़कर 44 वादों का निस्तारण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी द्वारा आमजन से अपील की गई कि वे अपने लंबित अथवा प्री-लिटिगेशन विवादों के शीघ्र एवं सुलहपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालत एवं विधिक सेवा संस्थाओं की सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

23 सितंबर से शुरू होगी खण्ड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार उत्तराखंड सरकार द्वारा संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु खण्ड स्तर से राज्य स्तर तक आयोजित की जाने वाली संस्कृत छात्र प्रतियोगिता के प्रथम चरण खण्ड स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता 23 एवं 24 सितंबर को आयोजित होगी। शनिवार को प्रतियोगिता की खण्ड संयोजिका दुगड्डा बीना गौड़ के निवास पर सेवारत और सेवानिवृत्त शिक्षकों की एक बैठक हुई। बैठक पौड़ी के जिला संयोजक रोशन गौड़ ने बताया कि खण्ड स्तरीय प्रतियोगिताएं खण्ड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में 23 एवं 24 सितंबर को सम्पन्न कराई जायेगी। दुगड्डा ब्लॉक की प्रतियोगिताएं मेहरबान सिंह कण्डारी विद्या मंदिर कालाबड़ में आयोजित होंगी। उन्होंने कहा कि संस्कृत उत्तराखंड राज्य की द्वितीय राजभाषा है और सभी भाषाओं की जननी भी है, इसलिए इसका प्रचार-प्रसार करना प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है। खण्ड संयोजिका बीना गौड़ ने कहा कि खण्ड स्तरीय प्रतियोगिताएं कक्षा 6 से 10 तक कनिष्ठ वर्ग और कक्षा 11 से स्नातकोत्तर तक वरिष्ठ वर्ग दो वर्गों में आयोजित की जायेंगी, जिसमें संस्कृत समूह गान, संस्कृत समूह नृत्य, संस्कृत नाटक, संस्कृत आशु भाषण, संस्कृत श्लोक उच्चारण, संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता होंगी। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा। इस मौके पर जिले के सहसंयोजक डॉ. रमाकांत कुकरेती, पूर्व खण्ड संयोजक कुलदीप मैंदोला आदि मौजूद थे।

विद्यार्थी अपने कौशल को पहचाने और संस्कारवान बनें

राइंकॉ झण्डीचौड़ का नामिका निरीक्षण सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत राजकीय इंटर कॉलेज झण्डीचौड़ में तीन दिवसीय नामिका निरीक्षण सम्पन्न हुआ। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में प्रार्थना सभा, कक्षा-कक्षों में विषयवार पाठयक्रम अनुसार नामिका निरीक्षण दल द्वारा अवलोकन किया गया। नामिका निरिक्षण दल की प्रभारी पुष्पा धस्माना ने कहा कि नामिका निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि वे अपनी प्रतिभा को पहचाने व उसे निखारने के लिए सदा प्रयत्नशील रहें। कहा कि विद्यार्थियों को अपने अंदर के कौशल को पहचानना चाहिए और संस्कारवान विद्यार्थी बनने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

9 सितंबर को तीन दिवसीय नामिका निरीक्षण शुरू हुआ था। नामिका निरक्षण दल द्वारा मध्यनाह भोजन योजना, खेल कूद, परीक्षा, अभिलेख कार्यालय अभिलेख एनएसएस अभिलेख, स्कॉट गाइड, एसएमसी एवं पीटीए पंजिका का सघन अवलोकन किया गया। समापन समरोह में नामिका निरिक्षण दल की प्रभारी पुष्पा धस्माना ने विद्यालय के पठन-पाठन, पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों को उत्तम बताया। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं का समन्वय बहुत उत्तम है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सोहन लाल ने नामिका निरक्षण दल के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नामिका निरीक्षण विभाग की पुरानी व बेहतर परम्परा है। विद्यालय में इस तरह की परम्पराओ का पालन किया जाना चाहिए छात्र हित में सर्वोपरी है। नामिका निरक्षण दल में दल प्रभारी श्रीमती पुष्पा धस्माना, सीमा गुसांई, पहाड़ी लाल, रविन्द्र रावत शामिल रहे। इस मौके पर अरूण कुमार, प्रमोद बर्थवाल, गणेश प्रसाद बडोला, सुशील चंद्र, श्रीकांत दुदपुड़ी, मीना नौटियाल, अमरदीप सिंह, गणेश चन्द्र आर्य, आनंद घिल्डियाल, अरुण कुमार आदि मौजूद थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर एच0डी0एफ0सी0 लाईफ इनश्योरेंस में पॉलिसी संख्या 02304913 पंजीकृत है। उपरोक्त पॉलिसी में भूलवश मेरा नाम देवेश्वरी देवी (DEVESHWARI DEVI) अंकित है, जबकि मेरा सही एवं वास्तविक नाम देवेश्वरी रावत (DEVESHWARI RAWAT) है, जोकि मेरे अन्य अभिलेखों में दर्ज है। मेरी उपरोक्त पॉलिसी में गलत नाम देवेश्वरी देवी (DEVESHWARI DEVI) के स्थान पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम देवेश्वरी रावत (DEVESHWARI RAWAT) दर्ज किया जाय।

देवेश्वरी रावत पत्नी भारत भूषण सिंह रावत निवासी सितापुर, निकट मिल्क डेरी, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

खेलों का जीवन व व्यक्तित्व विकास में अहम योगदान : ब्रिगेडियर विनोद

फुटबाल में ढांडरी संकुल विजेता, ल्वाली संकुल रहा उपविजेता

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय स्थित रांसी स्टेडियम में आयोजित प्राथमिक शिक्षा की शरद एवं शीतकालीन ब्लाक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन हो गया है। प्रतियोगिता में फुटबाल के फाइनल मुकाबले में ढांडरी और ल्वाली संकुल की टीमें निर्धारित समय तक 2-2 गोल की बराबरी पर रहीं। पेनाल्टी शूटआउट में ल्वाली ने 3-2 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया, जबकि ढांडरी उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रथम व द्वितीय स्थान पाने वाली प्रतिभाएं जिला स्तर पर प्रतिभाग करेंगी।

शनिवार को रांसी में आयोजित प्रतियोगिता के समापन दिवस की

प्रतियोगिताओं का शुभारंभ मुख्य अतिथि गढ़वाल राइफल लेंसडौन के ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खेलों का जीवन व व्यक्तित्व विकास में अहम योगदान हैं। खेल प्रतियोगिताएं प्रतिभाओं मंच देने के साथ-साथ उनके जीवन की दिशा व करियर को तय करने की महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से संवाद कर उन्हें प्रतियोगिता में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता के तहत ऊंची कूद बालक वर्ग में ढांडरी के प्रियांशु प्रथम, चरधार के तरुण द्वितीय और ल्वाली के सिद्धार्थ तृतीय रहे। बालिका वर्ग में चरधार की हर्षिता ने प्रथम और ढांडरी की जान्हवी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वॉलीबाल बालक वर्ग में ढांडरी विजेता और चरधार उपविजेता रहा। बैडमिंटन सिंगल में कनिका विजेता और सानवी उपविजेता रहीं। डबल्स में सानिका-इशिका की जोड़ी विजेता व कनिका-दिया की जोड़ी ने उपविजेता रहीं। गोला फेंक जूनियर बालिका वर्ग में हर्षिता, तानिया, दिया, बालक वर्ग में आयुष कुमार, अशद रजा, अंश क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। चक्का फेंक बालक वर्ग जूनियर में महेश, पंकज, दिव्यांशु अव्वल रहे। जूनियर वर्ग खो-खो बालिका वर्ग में चरधार विजेता व ढांडरी उपविजेता बने। बालक वर्ग में ल्वाली विजेता व ढांडरी उपविजेता रहे। लंबीकूद जूनियर बालिका वर्ग में तानिया, शानवी व अनुप्रिया, बालक वर्ग में अक्षित, अभिषेक व शौर्य कैंतुरा क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ी जूनियर बालिका वर्ग में सृष्टि कोहली प्रथम, तानिया द्वितीय व अंशिका तृतीय स्थान पर रही। 600 मीटर में सोनाली पहले, पल्लवी दूसरे व योगिता तीसरे स्थान पर रही। लंबीकूद प्राथमिक बालिका वर्ग में मन्नत, तन्वी व आराध्या अव्वल रहे। ब्लॉक खेल समन्वयक विपिन रांगड़, ब्लाक अध्यक्ष रश्मि बिष्ट ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोगियों का विशेष आभार जताया। इस अवसर पर राजकीय जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष भगत भंडारी, सुधीर लिंगवाल, उमा रौथाण, कमल उप्रेती, प्रवीन नेगी, जितेंद्र राय, कुलदीप सिंह, संजय पांडे, कुलदीप रावत, बसंती, रजनीश अणथ्वाल, प्रताप नेगी, प्रकाश रावत, आकांक्षा जोशी, सुशीला पंवार, अनिल रावत, राजेंद्र गुसाईं, देवेंद्र तिलवाल, निर्मला लिंगवाल, सुषमा बिष्ट, रीना पुंडीर आदि मौजूद रहे।

ढाई साल से अधूरी जल योजना, जंगल में जंग खा रहे पाइप

नौगांव (उत्तरकाशी)। कफनौल गांव के करीब 400 परिवारों को पेयजल संकट से निजात दिलाने के लिए जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत पेयजल योजना ढाई वर्ष बाद भी अधूरी पड़ी है। योजना के तहत पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाए जाने वाले चार इंच व्यास के पाइप जंगल में जगह-जगह लावारिस हालत में पड़े हैं और बिना उपयोग के जंग खा रहे हैं। योजना पूरी नहीं होने से ग्रामीणों को गर्मियों में आज भी पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।जल जीवन मिशन के तहत करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से 12 किलोमीटर लंबी पेयजल योजना का निर्माण रूपनोल सौड़ तोक से कफनौल गांव तक किया जाना है। हालांकि, निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने योजना की स्वीकृति और सर्वेक्षण प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब योजना का बड़ा हिस्सा आरक्षित वन भूमि से होकर गुजरना था तो सर्वे और प्राक्कलन तैयार करते समय इस पहलू का गंभीरता से परीक्षण क्यों नहीं किया गया।

कार्यदायी संस्था पेयजल निर्माण निगम ने प्रथम चरण में गांव में पेयजल कनेक्शन तो उपलब्ध करा दिए हैं लेकिन इनमें फिलहाल पुरानी योजना से ही पानी की आपूर्ति हो रही है। आरक्षित वन भूमि की अनुमति का पेच नई योजना के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है।

समान वेतन के लिए पूर्व सैनिकों व सुरक्षा गार्डों का प्रदर्शन

उत्तरकाशी। उपनल के तहत कार्यरत पूर्व सैनिकों और सुरक्षा गार्डों की समान वेतन समेत अन्य मांगों पर कार्रवाई न होने से नाराज संगठन ने शनिवार को लोनिवि गेस्ट हाउस में नारेबाजी कर विरोध जताया। संगठन का कहना है कि अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है।

पूर्व सैनिक एवं सुरक्षा गार्ड संगठन की मुख्य मांग उपनल के तहत कार्यरत सुरक्षा कर्मियों को अन्य उपनल कर्मचारियों की तर्ज पर समान कार्य के लिए समान वेतन देने की है। संगठन का कहना है कि सुरक्षा गार्डों से आठ से 12 घंटे तक लगातार ड्यूटी कराई जाती है। कई कर्मी दिन-रात और कठिन परिस्थितियों में सेवाएं दे रहे हैं लेकिन इसके

अनुरूप उनके मानदेय में व्याप्त विसंगतियां दूर नहीं की गई हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उपनल की स्थापना ही पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुई थी, लेकिन वर्तमान में सुरक्षा कर्मियों को ही वेतन संबंधी लाभों में पीछे रखा जा रहा है। उन्होंने मानदेय में उचित वृद्धि और सेवा सुरक्षा तय करने की भी मांग की। संगठन की ओर से पूर्व में मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में इन मांगों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया गया था।

वहीं शनिवार को लोनिवि गेस्ट हाउस पहुंचकर संगठन कर्मियों जिला पंचायत अध्यक्ष को भी लिखित ज्ञापन देकर समान वेतन और वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। इस मौके पर सुरेश प्रसाद, बलदेव सिंह, शिवेंद्र सिंह, मुकेश नौटियाल, बिजेंद्र पंवार, रविंद्र पंवार, युद्धवीर सिंह, अवतार सिंह आदि मौजूद थे।

मछली उत्पादन के लिए बना दिए टैंक, बीज मिले ही नहीं

उत्तरकाशी। धौंतरी क्षेत्र के कमद गांव में मत्स्य विभाग की ओर से ट्राउट मछली के उत्पादन के लिए विभाग की ओर ग्रामीणों से टैंक तो बनवा दिए गए लेकिन अभी तक उनमें बीज और पानी उपलब्ध नहीं करवाया गया है। साथ ही ग्रामीणों का आरोप है कि जब उनकी ओर से विभाग से गांव में ट्राउट मछली के उत्पादन के नाम पर खर्च किए गए धनराशि की जानकारी मांगी गई। कमद गांव के ग्राम प्रधान भरत सिंह चौहान ने बताया कि मत्स्य विभाग की ओर से ट्राउट मछली के उत्पादन के लिए ग्रामीणों को धनराशि उपलब्ध करवाकर करीब आठ से अधिक टैंक बनवा दिए गए लेकिन एक वर्ष से उसके लिए बीज उपलब्ध नहीं करवाए गए। साथ ही अभी तक उन टैंकों में पानी भी उपलब्ध नहीं हो पाया है। इस कारण अब वह टैंक खराब हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की ओर से ट्राउट मछली के उत्पादन के नाम पर गांव में सरकारी धन का दुरुप्रयोग किया गया है। गांव के लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है।

प्रीतम सिंह रौतेला पांचवी बार प्रबंधक निर्वाचित

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : जनपद पौड़ी गढ़वाल के इंटर कॉलेज कालागढ़ की नवीन प्रबन्ध समिति का गठन किया गया। प्रबंधक पद पर प्रीतम सिंह रौतेला लगातार चौथी बार निर्विरोध प्रबंधक निर्वाचित हुए है। प्रीतम सिंह रौतेला 2014 में जनपद पौड़ी के ऐतिहासिक प्रबंध समिति चुनाव में भारी मतों से विजयी हुए थे, इसके बाद लगातार चार बार निर्विरोध निर्वाचित हुए है। चुनाव अधिकारी संजय सिंह रावत प्रधानाचार्य जनता इंकॉ कमलपुर संगलाकोटी (पौड़ी गढ़वाल) एवं चुनाव पर्यवेक्षक मुकेश रावत प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) ने बताया कि इंटर कॉलेज कालागढ़ की नवीन प्रबन्ध समिति का गठन किया गया। समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए है। अध्यक्ष पद पर केनिंग कुमार, उपाध्यक्ष पद पर जयदीप सिंह रावत, प्रबंधक पद पर प्रीतम सिंह रौतेला, सहायक प्रबंधक पद पर मनोज लिंगवाल, कोषाध्यक्ष पद पर श्रीमती रानी निर्विरोध निर्वाचित हुई है। जबकि कुलवंत सिंह, मनवीन सिंह नेगी, नरेन्द्र सिंह रावत, नरेन्द्र सिंह बिष्ट, प्रमोद कुमार, राजेंद्र सिंह बिष्ट, बृजेन्द्र सिंह नेगी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

एक नजर

बोट के इंतजार में दिनभर तपते रहते झील किनारे ग्रामीण

नई टिहरी। टिहरी बांध की झील का जलस्तर बढ़ने पर थौलधार ब्लॉक के ग्रामीणों को झील आरपार करने के लिए बोट का सहारा लेना पड़ता है। बोट का संचालन सीमित समय पर होने से ग्रामीणों को तेज धूप और गर्मी में घंटों झील किनारे इंतजार करना पड़ रहा है।थौलधार ब्लॉक की गुसाईं पट्टी समेत कई गांवों की उत्तरकाशी जिले की पट्टी दिचलीगमरी में नाते-रिश्तेदारी है। इसके चलते ग्रामीणों का दोनों क्षेत्रों के बीच लगातार आवागमन रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्धारित समय पर ही बोट मिलने के कारण कई बार उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। इससे वे समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते हैं। स्थानीय निवासी बैशाख सिंह, दिल सिंह, उषा देवी, गंगा प्रसाद खंडूरी, दिवान सिंह राणा, पीतांबर दत्त जोशी, रणवीर सिंह नेगी ने कहा कि झील किनारे बैठने के लिए उचित व्यवस्था भी नहीं है। वहीं, आवागमन के रास्तों में झाड़ियां उगी होने से भी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने पुनर्वास विभाग से लोगों की सुविधा के लिए दिनभर बोट संचालन करने की मांग की है।

धड़कते दिल की जटिल ऑफ-पंप सर्जरी कर बचाई युवक की जान

ऋषिकेश। नुकीली वस्तु से दिल में गहरी चोट लगने के बाद गंभीर हालत में एम्स ऋषिकेश पहुंचे श्यामपुर निवासी युवक की ट्रॉमा विशेषज्ञों की टीम ने बेहद चुनौतीपूर्ण सर्जरी कर जान बचा ली। मरीज की हालत इतनी गंभीर थी कि चिकित्सकों को धड़कते दिल के साथ सर्जरी करनी पड़ी। चिकित्सीय भाषा में इसे ऑफ-पंप सर्जरी कहा जाता है। यह प्रक्रिया बेहद जोखिमभरी मानी जाती है और इसमें हार्ट-लंग मशीन का इस्तेमाल नहीं किया जाता। सफल सर्जरी के बाद छह दिनों तक गहन चिकित्सा और निगरानी में रखने के पश्चात मरीज को 3 सितंबर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एम्स ऋषिकेश के ट्रॉमा सर्जरी विभाग की ओर से यह जटिल सर्जरी 27 अगस्त को की गई। ट्रॉमा सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. एम. क्यू. आजम ने बताया कि पेनिट्रेटिंग कार्डियक इंजरी यानी दिल में गहरी चोट के मामलों में उपचार के लिए समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे गंभीर मामलों में मरीज की जान बचाने के लिए चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय और टीमवर्क की अहम भूमिका रहती है।

सर्जरी करने वाले ट्रॉमा सर्जन डॉ. नीरज सिंह के अनुसार, 27 अगस्त को श्यामपुर निवासी एक युवक को गंभीर अवस्था में ट्रॉमा इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। मरीज के दिल में किसी नुकीली वस्तु से गहरी चोट लगी थी, जिसके कारण उसका रक्तचाप काफी कम हो गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सकों ने तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया और मरीज को इमरजेंसी लाइफ-सेविंग सर्जरी के लिए ले जाया गया। डॉ. नीरज ने बताया कि मरीज की गंभीर स्थिति के कारण सर्जरी के दौरान हार्ट-लंग मशीन का इस्तेमाल करना संभव नहीं था। ऐसे में विशेषज्ञों ने धड़कते दिल के साथ ऑफ-पंप सर्जरी को अंजाम दिया। यह प्रक्रिया तकनीकी रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण और जोखिमभरी थी, लेकिन चिकित्सकों के सामूहिक प्रयास से सर्जरी सफल रही। सर्जरी के बाद मरीज को छह दिनों तक गहन चिकित्सा एवं विशेष निगरानी में रखा गया।

छात्र संघ चुनाव में दावेदारों ने झोंकी ताकत

ढालवाला / नरेंद्रनगर। धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव की घोषणा के साथ ही परिसर का माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंग गया है। विभिन्न पदों पर ताल ठोक रहे दावेदारों ने अपना पक्ष मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। मुख्य मुकाबला एनएसयूआई और एबीवीपी के बीच बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। दोनों ही प्रमुख छात्र संगठन अपनी-अपनी जीत पक्की करने के लिए रणनीति बनाने में जुटे हैं। यहां अध्यक्ष पद पर एनएसयूआई और एबीवीपी से एक-एक दावेदार ही सामने आए हैं।

धनोल्टी में कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था ठप

नई टिहरी। पर्यटन नगरी धनोल्टी में कूड़ा निस्तारण की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। पांच साल से ढुलमुल व्यवस्था के कारण जगह-जगह कूड़े के ढ़ेर जमा होने से पर्यटन नगरी की छवि धूमिल हो रही है। व्यापार मंडल के साथ दो सितंबर को हुई बैठक में जिला पंचायत ने कूड़ा वाहन भेजने का वादा किया था लेकिन अभी तक वाहन नहीं पहुंच पाया है। धनोल्टी के प्रधान व व्यापारी नीरज बेलवाल, एलम सिंह पंवार, भूपेंद्र सिंह बेलवाल, मनवीर पंवार और प्रवीन जागुड़ी ने बताया कि कुछ महीने पहले व्यापारियों ने सूखा कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था की थी लेकिन दो सितंबर को जिला पंचायत ने तहसील प्रशासन की मध्यस्था में व्यापार मंडल के साथ बैठक कर नियमित रूप से कूड़ा वाहन भेजने का आश्वासन दिया था जिससे व्यापार मंडल ने अपनी व्यवस्था बंद कर दी।

बैठक के 10 दिन बाद भी जिला पंचायत का कूड़ा निस्तारण वाहन धनोल्टी नहीं पहुंचा। इस कारण लोग

अपने होटल, दुकान और घरों का कूड़ा जंगल में फेंकने को मजबूर हैं। सड़क किनारे कूड़ा फेंकने से घोड़ा मार्केट का ईको पार्क में भी गंदगी पसर रही है। अपर मुख्याधिकारी गणेश भट्ट का कहना है कि धनोल्टी मार्केट में सफाई कर्मचारी तैनात किया गया है,वहां सूखा कूड़ा जमा होने की सूचना मिलने पर वाहन भेजा जाता है। सभी बाजारों में नियमित रूप से वाहन भेजने की व्यवस्था बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ड्रैगन फ्रूट की खेती से बढ़ेगी महिलाओं की आय : सीडी

ओनरेंद्रनगर (टिहरी)। सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने प्रगति स्वायत्त सहकारिता के तहत संचालित ड्रैगन फ्रूट की खेती और बकरी पालन यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ड्रैगन फ्रूट की खेती से ही महिलाओं की आय बढ़ेगी। बकरी पालन यूनिट में प्रकाश व्यवस्था के लिए दो सोलर लाइट लगाने को कहा। ड्रैगन फ्रूट की खेती के निरीक्षण के दौरान पौधों की गुणवत्ता अच्छी पाई गई। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराडी और जिला उद्यान अधिकारी पंकज पेटवाल को ड्रिप सिंचाई और जियो लाइन टैंक की व्यवस्था करने को कहा। बाद में सीडीओ ने किराड़ा में संचालित बकरी पालन यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने समूह की महिलाओं से बकरी पालन से संबंधित जानकारी ली और यूनिट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बीमारियों पर होगा शोध

देहरादून, उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदान तक क्षेत्रीय बीमारियों पर शोध करने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कसरत शुरू कर दी है। इसके लिए एथिकल समिति का गठन कर दिया गया है। जल्द ही सभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों में रिसर्च सेल का भी गठन किया जाएगा। सभी शोध भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट) समेत अलग-अलग संस्थानों के साथ मिलकर किए जाएंगे।

पहाड़ में कैंसर, दूषित पानी व जानवरों से होने वाली बीमारियां और नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) लगातार बढ़ रही हैं। चिकित्सक क्लीनिकल स्तर पर इन बीमारियों के होने के पीछे अलग-अलग कयास लगाते हैं लेकिन अब तक इस पर कोई समर्पित शोध नहीं हुआ। यही कारण है कि इसकी रोकथाम के लिए उठाए जा रहे कदम प्रभावी साबित नहीं हो रहे हैं।

मैदानी इलाकों की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। अमर उजाला की ओर से पिछले दिनों पहाड़ और मैदान से अलग-अलग बीमारियों पर ग्राउंड रिपोर्ट तैयार की गई। इस दौरान चिकित्सकों ने बीमारियों के शोध के लिए एक समर्पित व्यवस्था की आवश्यकता बताई थी। उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विभाग ने अब इस दिशा में काम करने का निर्णय लिया है। विभाग की ओर से इसके लिए कवायद शुरू कर दी गई है। शुरुआती चरण में विभाग ने एथिकल समिति गठित की है। उधर रिसर्च सेल में मेडिकल कॉलेजों की वरिष्ठ संकाय और छात्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा।

हिंडोलाखाल के लोगों को पेयजल समस्या से राहत मिलने की उम्मीद

नई टिहरी। हिंडोलाखाल क्षेत्र के लोगों को पेयजल समस्या से जल्द राहत मिलने की उम्मीद जगी है। हिंडोलाखाल (उमरेश्वर-माछर) पंपिंग पेयजल योजना की स्वीकृति मिलने के बाद जल निगम ने योजना बनाने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजनानुसार काम चलता रहा तो डेढ़ साल में पेयजल संकट से जूझ रहे गांवों में पंपिंग पेयजल योजना से जलापूर्ति शुरू करा दी जाएगी।

देवप्रयाग ब्लॉक के हिंडोलाखाल क्षेत्र में पेयजल का संकट बना रहता है जिससे स्थानीय लोग लंबे समय से पंपिंग पेयजल योजना बनाने की मांग करते आ रहे थे। क्षेत्र वासियों की समस्या को देखते हुए सीएम घोषणा में शामिल इस पंपिंग पेयजल योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। करीब 26.43 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस पेयजल योजना को बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

पांच स्टेज में बनने वाली करीब 6.5 किमी लंबी योजना बनने के बाद हिंडोलाखाल क्षेत्र के 13 ग्राम पंचायतों के 26 गांवों को योजना से लाभांवित किया जाएगा। बताया गया कि पेयजल वितरण के लिए 300 केएल और 200 केएल के दो टैंक बनाए जाएंगे। ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति कराने के लिए प्रतिदिन 12 लाख लीटर क्षमता का फिल्टर प्लांट भी बनाया जाएगा। जिससे ग्रामीणों को हर समय शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा सकेगी। जल निगम ने योजना पर काम शुरू होने के बाद डेढ़ साल में योजना पूरी करने का लक्ष्य तय किया है।

डेढ़ किमी सड़क के इंतजार में पालीगाड-दशज्यूला पट्टी के गांव

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक क्षेत्र में ओडारसू-बंगसील मोटर मार्ग का डेढ़ किलोमीटर हिस्सा नहीं बनने से पालीगाड और दशज्यूला पट्टी के दर्जनों गांव आपस में नहीं जुड़ पाए हैं। सड़क का यह हिस्सा अधूरा होने से क्षेत्र का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल देवलसारी भी सड़क मार्ग से नहीं जुड़ पाया है जिससे स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सड़क निर्माण की मांग ग्रामीण लंबे समय से शासन-प्रशासन से करते आ रहे हैं लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। ग्राम प्रधान प्रियंका देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य अनीश कुमार, गजेंद्र नौटियाल, कुलबीर रावत, विजेंद्र पवार, महिला समूह की अध्यक्ष शोभना देवी, पूर्व प्रधान महावीर चमोली, बलवीर परमार, खेमराज पुजारी का कहना है कि सड़क नहीं बनने से ओडारसू, किनसू, टिक्क, भ्यासारी, पुजाल्डी, नौगांव, बुडकोट, खेड़ा, पापरा, बैट आदि गांव ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द सड़क

निर्माण शुरू करने की मांग की। चेतावनी दी यदि जल्द सड़क निर्माण शुरू नहीं किया गया तो क्षेत्रीय जनता आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगी।

ओडारसू-बंगसील मोटर मार्ग पर 1200 मीटर वन भूमि आड़े आ रही है। इसमें पेड़ अधिक आने के कारण इसका एलाइनमेंट दोबारा स्वीकृति के लिए भेजा गया है। एनओसी मिलने के बाद सड़क का संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा।

पहली बरसात में क्षतिग्रस्त हुईं सुरक्षा दीवारें, जांच की मांग

नैनबाग (टिहरी)। दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग 507 पर मरोड़ से आगे सड़क पर गिरा मलबा करीब दो माह बाद भी नहीं हटाया गया है। बरसात के दौरान पहाड़ी से गिरा मलबा सड़क पर पड़ा है जिससे सड़क संकरी हो गई। लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। स्थिति यह है कि उक्त स्थान पर आमने-सामने आने वाले दो वाहन आसानी से पास नहीं हो पा रहे है।

स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग खंड की लचर कार्य प्रणाली पर रोष जताया है। मरोड़ और नैनगांव के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण का काम किया गया था। निर्माण के दौरान बनाई गई दीवारें पहली बरसात में ही क्षतिग्रस्त हो गईं।

पहाड़ी से गिरा मलबा सड़क पर डंप पड़ा हुआ है। मलबा नहीं हटाए जाने और क्षतिग्रस्त दीवारों की मरम्मत नहीं होने से लोगों की परेशानी पढ़ती जा रही है।

स्थानीय निवासी श्याम सिंह चौहान गुड्डू, प्रधान संगठन के अध्यक्ष प्रदीप कवि, पूर्व प्रधान गंभीर सिंह रावत का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर सड़क का चौड़ीकरण किया गया लेकिन पहली बरसात में ही सुरक्षा दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क पर मलबा पड़ा होने से आवाजाही प्रभावित हो रही है। उन्होंने जल्द मलबा हटाने, क्षतिग्रस्त दीवारों की मरम्मत कराने और निर्माण कार्य की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की।

लच्छीवाला टोल प्लाजा पर किसानों का धरना

डोईवाला। लच्छीवाला टोल प्लाजा पर 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय लोगों को निशुल्क पास देने की मांग के लिए भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को पांच घंटे बाद अधिकारियों के आश्वासन पर स्थगित हो गया। किसानों ने कहा कि स्थानीय लोगों को टोल आवागमन में छूट मिलनी चाहिए। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत किसान शनिवार को लच्छीवाला टोल प्लाजा पहुंचे और नारेबाजी करते हुए धरना शुरू किया। प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह सिहोता ने कहा कि 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय लोगों को निशुल्क आवागमन की सुविधा मिलनी चाहिए। प्रदेश कार्यालय प्रभारी हरेन्द्र बालियान ने कहा कि किसानों और स्थानीय लोगों की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है।

पुल नहीं बनने से ग्रामीण जोखिम में कर रहे यमुना आरपार

बड़कोट। हनुमानचट्टी के पास दुर्बिल गांव को जोड़ने के लिए वर्षों पहले सड़क तो बना दी गई लेकिन यमुना नदी पर मोटर पुल का निर्माण आज तक नहीं हो सका। पुल के अभाव में सड़क का उपयोग नहीं हो पा रहा है। बीते बृहस्पतिवार को नदी पार करते समय स्थानीय निवासी सोबत सिंह का खच्चर तेज बहाव में बह गया।

दुर्बिल गांव के लिए ब्रीडकुल की ओर से सड़क का निर्माण किया गया था। सड़क बनने के बाद ग्रामीणों को गांव तक सुगम यातायात की उम्मीद जगी थी, लेकिन पुल नहीं बनने से यह सुविधा अधूरी रह गई। नदी पार करने के लिए पूर्व में पाइप डालकर वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी मगर बारिश के दौरान जलस्तर बढ़ने से पाइप भी बह गए।

इसके बाद ग्रामीणों के सामने नदी पार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ग्रामीण मोहन लाल ने बताया कि पिछले वर्ष भी तीन खच्चर नदी के तेज बहाव में बह चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क अभी दूसरे विभाग को हस्तांतरित किए जाने की प्रक्रिया में अटकी है।

9/11 के 25 साल: वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले के बाद कैसे बदली दुनिया अमेरिका में नहीं हुआ फिर बड़ा आतंकी हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। एक ऐसा हमला, जिसने कुछ घंटों में अमेरिका की तस्वीर बदल दी। दिन था 11 सितंबर 2001। आतंकवादियों ने चार विमानों को हाईजैक कर कई ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें से दो विमानों को न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की ट्विन टावर से टकराया। वहीं एक विमान पेंटागन से जा टकराया। चौथा विमान पेंसिल्वेनिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हमले में हजारों लोगों की जान चली गई।

घटना के 25 साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन उस दिन की दर्द आज भी लोगों के जेहन में ताजा हैं। इस हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति में बड़े बदलाव किए। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया। आइए जानतें हैं कि अमेरिका ने पिछले 25 वर्षों में ऐसा क्या किया, जिसके बाद वहां कभी भी कोई आतंकी हमला नहीं हुआ। अमेरिका ने क्या बड़े बदलाव किए हैं इसके साथ ही भारत को इससे क्या सीखना चाहिए

आतंकवाद और चरमपंथ से लड़ने के लिए क्या किया : आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने दुनिया भर में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू करने का एलान किया। इसे 'ग्लोबल वॉर ऑन टेरर' (तड्ढहङ्ग) कहा गया। इसमें सैन्य कार्रवाई के साथ आतंकियों की आर्थिक मदद रोकना शामिल था।

इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित ठिकाने मिलने से रोकना भी शामिल था। कई देशों ने इस अभियान में अमेरिका का साथ दिया। 20 सितंबर 2001 को बुश ने तालिबान से अल-कायदा के सदस्यों को पनाह देना बंद करने को कहा। इसके बाद 24 सितंबर को आतंकवादी संगठनों और उन्हें आर्थिक मदद देने वालों की संपत्तियां फ्रीज करने का आदेश दिया गया। 7 अक्तूबर 2001 को अमेरिका ने अफगानिस्तान में सैन्य कार्रवाई शुरू की। शुरुआती हमलों में अल-कायदा के प्रशिक्षण शिविरों और तालिबान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके साथ अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय मदद भी देने की बात कही गई। इसके बाद अमेरिका ने इराक पर भी दबाव बढ़ाया। अमेरिका ने सद्दाम हुसैन की सरकार पर आतंकवाद से संबंध और बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियार रखने जैसे आरोप लगाए। 19 मार्च 2003 को अमेरिका ने इराक में सैन्य अभियान शुरू किया, जिसका मकसद सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाना था।

डीएचएस का मुख्य मकसद क्या है : डीएचएस का मुख्य मकसद देश को आतंकवाद और दूसरे सुरक्षा खतरों से बचाना था। इसके तहत अलग-अलग सरकारी एजेंसियों को एक साथ लाया गया, ताकि उनके बीच बेहतर तालमेल हो सके। कुल 22 एजेंसियों और कार्यालयों को मिलाकर एक कैबिनेट स्तर का विभाग बनाया गया। टॉम रिज इसके पहले सचिव बने।

डीएचएस को क्यों आलोचना का सामना करना पड़ा : हालांकि, शुरुआत में डीएचएस को कामकाज में तालमेल की कमी और नौकरशाही जैसी समस्याओं को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। 2005 में आए तूफान कैटरीना के दौरान भी इसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। इसके अलावा निगरानी और नागरिक अधिकारों को लेकर भी चिंताएं सामने आईं। डीएचएस ने लोगों को आतंकवादी खतरों के बारे में जानकारी देने के लिए सुरक्षा चेतावनी प्रणाली शुरू की, जिसे बाद में 2011 में नेशनल टेररिज्म एडवाइजरी सिस्टम से बदल दिया गया। इसका उद्देश्य आतंकवाद से निपटने के साथ देश की आपदा और आपातकालीन तैयारियों को मजबूत करना था।

यूएसए पेट्रियट एक्ट 26 अक्टूबर 2001 को 9/11 आतंकी हमलों के बाद लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य अमेरिका की घरेलू सुरक्षा को मजबूत करना और आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच को आसान बनाना था। इस कानून के तहत सुरक्षा और जांच एजेंसियों को आतंकवाद की रोकथाम और जांच के लिए कई अधिकार दिए गए। कानून के तहत आतंकवाद से जुड़े मामलों में निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने की प्रक्रिया को मजबूत किया गया। अलग-अलग पुलिस, खुफिया और जांच एजेंसियों के बीच जानकारी साझा करने के रास्ते भी आसान किए गए। इसका मकसद यह था कि किसी संभावित आतंकी साजिश की जानकारी समय रहते मिल सके और उस पर कार्रवाई की जा सके। पेट्रियट एक्ट में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के लिए होने वाली आर्थिक मदद पर रोक लगाने के लिए भी कई प्रावधान किए गए। 10 हजार डॉलर से ज्यादा की नकदी को अवैध तरीके से अमेरिका के अंदर या बाहर ले जाने पर नए नियम और सजा का प्रावधान किया गया।साइबर अपराध और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर संभावित आतंकी हमलों से निपटने के लिए भी एजेंसियों को अतिरिक्त अधिकार दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

तपती धरती, उबलते समंदर: अगस्त बना इतिहास का सबसे गर्म महीना, पूर्वी यूरोप में गंभीर सूखे की स्थिति; आगे क्या

जेनेवा, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर जलवायु संकट ने एक बार फिर खतरे की घंटी बजा दी है। यूरोपीय संघ की प्रमुख निगरानी संस्था कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 जुलाई 2023 के साथ संयुक्त रूप से इतिहास का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया है। इस दौरान दुनिया का औसत वायु तापमान 16.96 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991-2020 के औसत से 0.85 डिग्री सेल्सियस और पूर्व-औद्योगिक काल (1850-1900) की तुलना में 1.65 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह अप्रत्याशित गर्मी जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) के जलने से वायुमंडल में लगातार बढ़ रही ग्रीनहाउस गैसों और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सक्रिय हो रही मजबूत अल नीनो परिस्थितियों का मिला-जुला नतीजा है। महासागरों का तापमान भी रिकॉर्ड स्तर पर है। 60 डिग्री दक्षिण से 60 डिग्री उत्तर के बीच गैर-ध्रुवीय महासागरों का औसत सतही तापमान 21.07 डिग्री दर्ज किया। इसने अगस्त 2023 में बने 20.98 डिग्री के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पश्चिमी यूरोप ने अपने इतिहास की सबसे भीषण गर्मी का सामना किया, जिसने 2003 के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। मई महीने से शुरू हुआ भीषण लू का सिलसिला अगस्त तक जारी रहा। गर्मी के साथ पश्चिमी, मध्य और पूर्वी यूरोप के बड़े हिस्से में गंभीर सूखे की स्थिति बन गई।

अमेरिकी थिंकटैंक एफएएस की रिपोर्ट 160+ हथियार तैयार किए जा चुके; 730 किलो प्लूटोनियम मौजूद; और क्या खास

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के परमाणु शस्त्रागार में अनुमानित रूप से 190 एटमी हथियार हैं, जिनमें नई मिसाइलों के लिए तैयार किए जा रहे 30 अतिरिक्त हथियार भी शामिल हैं। यही नहीं, उसके पास करीब 35 परमाणु हथियार तैयार करने लायक प्लूटोनियम भी रिजर्व भंडार में है। यह बात अमेरिका के एक गैर-सरकारी थिंकटैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कही है। एफएएस ने यह अनुमान ओपन सोर्स पर उपलब्ध जानकारी, सरकारी डाटा और कमर्शियल सैटेलाइट से मिली तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर लगाया है। एफएएस के न्यूक्लियर इंफॉर्मेशन प्रोजेक्ट के निदेशक हंस क्रिस्टेनसेन के बुधवार को प्रकाशित लेख में कहा गया है कि भारत अपने परमाणु शस्त्रागार को लगातार आधुनिक बना रहा है। एफएएस के मुताबिक, 2026 की शुरुआत तक इंटरनेशनल पैनल ऑन फिसाइल मटेरियल्स का अनुमान था कि भारत ने लगभग 730 किलोग्राम हथियार-ग्रेड प्लूटोनियम का उत्पादन किया है। यह सैद्धांतिक रूप से 140 से 225 के बीच परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त होगा। लेख में कहा गया, भारत करीब 190 हथियार असेंबल कर चुका है। लेकिन यह सिर्फ अनुमानित संख्या है, क्योंकि हथियार में कितना प्लूटोनियम इस्तेमाल होगा, यह काफी हद तक उसके डिजाइन पर निर्भर करता है। एफएएस के मुताबिक, भारत जमीन, हवा और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित कर रहा है।

नेपाल में बाढ़ के बाद 70 अमेरिकी नागरिक अभी भी लापता, 18 बचाए गए; त्रासदी पर क्या बोला विदेश विभाग

वाशिंगटन, एजेंसी। नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में आई भीषण आपदा के बाद करीब 70 अमेरिकी नागरिक अब भी लापता हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि आपदा में सड़कें और पुल तबाह हो गए हैं, जबकि कई पूरे गांव भी मलबे में दब गए हैं। विदेश विभाग के मुताबिक, गुरुवार दोपहर तक 18 अमेरिकी नागरिक सुरक्षित स्थानों पर पहुंच चुके हैं। विभाग ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि काठमांडू में मौजूद अमेरिकी टीम नेपाल पहुंचे सभी प्रभावित परिवारों से मिल चुकी है। वहीं, वॉशिंगटन में तैनात अधिकारी अमेरिका में मौजूद परिवारों के साथ लगातार संपर्क में हैं।प्रवक्ता ने बताया कि राहत और बचाव दलों के लिए हालात बेहद मुश्किल हैं। आपदा में सड़कें, पुल और पूरे गांव नष्ट हो गए हैं। कई इलाकों का नक्शा ही बदल गया है। कुछ जगहों पर पहले जहां लोग रहते थे, वहां अब कई फीट तक मिट्टी और चट्टानों का मलबा जमा है। आपदा के कारण हेलीकॉप्टर से चलाए जा रहे राहत और बचाव अभियान में भी मुश्किलें आ रही हैं। पायलटों को संकरी घाटियों से उड़ान भरनी पड़ रही है।

मिस्टर सिंह' वाले विज्ञापन पर मचा बवाल, सरकार ने हटाया पोस्ट; क्यों हुआ इतना विरोध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने गुरुवार को एक विवादित विज्ञापन हटा दिया। इसमें 'मिस्टर सिंह' से अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया था। भारतीय मूल अमेरिकियों के संगठनों और डेमोक्रेटिक नेताओं ने इसका विरोध किया था। उन्होंने इसे नस्लवादी प्रचार बताया था।

गृह सुरक्षा विभाग ने बिना लाइसेंस वाहन चलाने वाले लोगों के खिलाफ यह अभियान शुरू किया था। इसी अभियान के तहत यह विज्ञापन जारी किया गया था। इसके लिए एक्स पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई गई तस्वीर का इस्तेमाल किया गया। तस्वीर में दाढ़ी वाला एक सांवले रंग का व्यक्ति दिखाया गया था। उसके साथ लिखा था- हमारी सड़कों से हट जाओ, मिस्टर सिंह, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता।

विरोध क्यों हुआ : इस विज्ञापन का भारतीय-अमेरिकी और सिख संगठनों ने जोरदार विरोध किया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और सांसद राजा कृष्णमूर्ति जैसे डेमोक्रेट नेताओं ने भी इसका विरोध किया। न्यूसम के प्रेस कार्यालय ने एक्स पर कहा, यह घिनौना है। ट्रंप सरकार सिख समुदाय को निशाना बनाकर नस्लवादी प्रचार कर रही है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख कोएलिशन, हिंदू एक्शन और कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका जैसे संगठनों ने भी विज्ञापन को अमेरिकी मूल्यों के खिलाफ और नस्लवादी बताया। गृह

सुरक्षा विभाग ने विवादित विज्ञापन तो हटा दिया। लेकिन उसने न्यूसम पर पलटवार किया। विभाग ने उन पर अवैध प्रवासियों को व्यावसायिक वाहन चलाने के लाइसेंस देने का आरोप लगाया। न्यूसम को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव का संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

भारतीय समुदाय के संगठनों ने क्या कहा : भारतीय समुदाय के संगठनों ने विज्ञापन हटाने का स्वागत किया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग ने वह पोस्ट हटा दी है, जिस पर संगठन ने एक दिन पहले आपत्ति जताई थी। हालांकि, संगठन ने कहा कि किसी संघीय एजेंसी का भारतीय या सिख व्यक्ति का नस्लीय रूप दिखाकर राजनीतिक संदेश देना गंभीर बात है। पोस्ट हटाना केवल पहला कदम है। संगठन ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी, सिख, हिंदू और दक्षिण एशियाई लोगों को अपनी सरकार से इससे बेहतर व्यवहार की उम्मीद है। विभाग ने ट्रक चालक हरजिंदर सिंह का एक वीडियो भी पोस्ट किया। हरजिंदर सिंह को पिछले साल एक गैरकानूनी यू-टर्न के कारण हुए हादसे के बाद गिरफ्तार किया गया था।

अवैध प्रवासी को अदालत से बाहर जाने देने के आरोप में जज पर कार्रवाई; आठ साल पुराने मामले में क्या हुआ

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स की सबसे बड़ी अदालत ने गुरुवार को जिला अदालत की जज शेली जोसेफ को सार्वजनिक रूप से कड़ी फटकार लगाई। उन पर आरोप था कि उन्होंने एक प्रवासी को अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत से भागने में मदद की थी। यह मामला 2018 का है। उस समय जज शेली जोसेफ पर आरोप लगा था कि उन्होंने अप्रवासी के वकील और अदालत के एक अधिकारी के साथ मिलकर उसे भागने दिया। आरोप था कि सुनवाई के बाद उसे अदालत की इमारत के पिछले दरवाजे से बाहर निकलने दिया गया। उस पर नशीली दवाएं रखने समेत कई आरोप थे। सर्वोच्च न्यायिक अदालत ने यह फैसला न्यायिक आचरण आयोग के सुनवाई अधिकारी की सिफारिश के बाद दिया। आयोग ने माना था कि जोसेफ के काम से गलत आचरण का आभास हुआ। उन्होंने कानून का भी पालन नहीं किया। अदालत के फैसले के मुताबिक, जोसेफ ने प्रवासी को रातभर राज्य की हिरासत में रखने का सुझाव दिया था। उन्होंने अदालत के लिपिक को सुनवाई की आवाज रिकॉर्ड करने वाली व्यवस्था बंद करने का निर्देश भी दिया था। अदालत ने कहा कि इन कामों से गलत आचरण का आभास हुआ और यह उनके न्यायिक कर्तव्यों के खिलाफ था। जोसेफ की वकील एलिजाबेथ मुलवे ने पिछले साल आयोग की सुनवाई में कहा था कि समय के साथ इस मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। लोगों को लगने लगा कि उनकी मुवक्किल ने 'एक अवैध अप्रवासी को दरवाजे से बाहर जाने दिया'। उनके मुताबिक, कुछ लोग जोसेफ को जेल भेजने की बात कर रहे थे। वहीं कुछ लोग उन्हें 'जनता की नायिका' बता रहे थे। मुलवे ने कहा कि जोसेफ को मीडिया में बदनाम किया गया। लोग ऐसा दिखा रहे थे, जैसे दर्जनों लोगों ने जोसेफ को जज की कुर्सी से उठकर जाते हुए देखा हो। इसके बाद वह आरोपी को दरवाजे तक ले गईं हो। उसे गले लगाया और सुरक्षित यात्रा की शुभकामना दी।

चार्ली किर्क की पहली बरसी: यूएस में राष्ट्रपति के करीबी को श्रद्धांजलि, ट्रंप क्या बोले 2025 में हुई थी हत्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रिपब्लिकन मिडटर्म सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को रिपब्लिकन नेताओं और समर्थकों ने 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' के संस्थापक चार्ली किर्क को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा हॉल 'चार्ली, चार्ली' के नारों से गूंज उठा। बता दें कि एक साल पहले किर्क की हत्या कर दी गई थी। डलास के बास्केटबॉल स्टेडियम में जुटी भीड़ उस समय एकदम खामोश हो गई, जब किर्क के सम्मान में पांच मिनट का एक स्मृति वीडियो दिखाया गया। इस वीडियो ने सम्मेलन के सियासी माहौल को कुछ देर के लिए पूरी तरह गमगीन कर दिया। ट्रंप वॉर रूम नाम के ट्रुथ सोशल हैंडल पर किर्क को महान बताया गया। ट्रंप ने इस संदेश और वीडियो को रिपोस्ट किया।

क्या बोले टर्निंग पॉइंट के उपाध्यक्ष : इस दौरान टर्निंग पॉइंट के उपाध्यक्ष और पादरी लुकास माइल्स ने कहा कि एक साल बीत जाने के बाद भी चार्ली किर्क की आवाज कमजोर नहीं पड़ी है। उन्होंने बताया कि इस एक साल में संगठन के सदस्यों और सोशल मीडिया पर उनके समर्थकों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। माइल्स ने सम्मेलन में कहा- टर्निंग पॉइंट खत्म नहीं हुआ है। चार्ली ने जिस संस्था की नींव रखी थी, वह लगातार बढ़ रही है और अब एक नई पीढ़ी आगे आ रही है। चार्ली किर्क अमेरिकी दक्षिणपंथ में एक बेहद असरदार चेहरा थे। उन्होंने कॉलेज परिसरों में युवाओं का एक बड़ा नेटवर्क तैयार किया, एक चर्चित पॉडकास्ट चलाया और युवा रूढ़िवादी ईसाइयों के बीच गहरी पकड़ बनाई। वह डोनाल्ड ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के अलग-अलग गुटों को एकजुट रखने वाले एक अहम सूत्रधार भी थे।

किर्क की हत्या 10 सितंबर 2025 को यूटा वैली यूनिवर्सिटी कैंपस में उस समय कर दी गई थी, जब वह छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मामले में 23 साल के टायलर रॉबिन्सन पर हत्या का गंभीर आरोप है और दोष साबित होने पर उसे मौत तक की सजा मिल सकती है। उसने घटना के अगले दिन खुद सरेंडर कर दिया था, हालांकि अदालत में उसने खुद को बेकसूर बताया है। किर्क की मौत के बाद संगठन में आंतरिक खींचतान भी देखने को मिली है। जानी-मानी पॉडकास्टर कैंडिस ओवेन्स समेत कई लोगों ने सरकारी वकीलों की इस थ्योरी पर सवाल उठाए हैं कि हत्या में सिर्फ रॉबिन्सन ही शामिल था। इसे लेकर इंटरनेट पर भी कई तरह के दावे किए जा रहे हैं।

अब किर्क की पत्नी एरिका किर्क को टर्निंग पॉइंट की नई सीईओ बनाया गया है, जो अब सार्वजनिक भाषणों का जिम्मा संभाल रही हैं। साथ ही डिबेट कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए अन्य विश्लेषकों को भी मंच दिया जा रहा है। संगठन ने यूटा के ओरेम स्थित उस यूनिवर्सिटी कैंपस में भी एक शोक सभा रखी, जहां किर्क की हत्या हुई थी। संगठन ने अपने बयान में कहा कि किर्क की कमी आज भी महसूस की जा रही है।

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट में गहराया संकट: लगातार दूसरी बैठक रद्द, जजों पर भ्रष्टाचार के मामले में बढ़ा विवाद

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन की सुनवाई रद्द कर दी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब देश में राजनीतिक और संस्थागत संकट गहराता जा रहा है। कोर्ट के कई सदस्यों पर भ्रष्टाचार, राजनीतिक पक्षपात और पुलिस के काम में दखल देने के आरोपों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस विवाद का असर अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों पर भी पड़ रहा है।

चीफ जस्टिस लुइज एडसन फाचिन ने गुरुवार की बैठक टालते हुए मंगलवार को अगली बैठक तय की है, जबकि आमतौर पर मंगलवार को कोर्ट की ऐसी बैठक नहीं होती।

मंगलवार को सभी 10 जजों की बेंच इस बात पर फैसला करेगी कि क्या उनके ही एक साथी जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस के खिलाफ जांच होनी चाहिए। मोरेस पर धोखाधड़ी के आरोपों के बाद बंद हो चुके 'बैंको मास्टर' के मालिक के साथ कथित संबंधों का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट में यह विवाद 1 सितंबर को तब बढ़ा, जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के कार्यकाल में नियुक्त हुए जज आंद्रे मेंडोंका ने फेडरल पुलिस के गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक किए। इन दस्तावेजों के मुताबिक, बैंक मालिक डेनियल वोर्कारो ने कानूनी सलाह के लिए कई बार जज मोरेस से संपर्क किया था। इसके बाद से ही मोरेस और मेंडोंका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। मोरेस को उस समय मौजूदा राष्ट्रपति लुला डा सिल्वा के समर्थकों ने बहुत सराहा था, जब उन्होंने पिछले साल तख्तापलट की साजिश रचने के जुर्म में पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को 27 साल की जेल की सजा सुनाई थी। दूसरी तरफ, मेंडोंका सुप्रीम कोर्ट का जज बनने से पहले बोल्सोनारो की सरकार में सॉलिसिटर-जनरल रह चुके हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में डी मोरेस ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने मेंडोंका के खिलाफ कथित तौर पर अधिकारों के दुरुपयोग की जांच की मांग की। मामला बैंकर से हुई एक बातचीत से जुड़ा है, जिसमें पुलिस या अभियोजकों की मौजूदगी नहीं थी।

इस कानूनी जंग ने ब्राजील की राजनीति में भी भूचाल ला दिया है। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला डा सिल्वा और आगामी चुनाव में उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी यानी पूर्व राष्ट्रपति के बेटे सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो, दोनों अपने-अपने राजनीतिक नफे-नुकसान को देखते हुए जजों के खिलाफ जांच की मांग कर रहे हैं।

जेल में बिगड़ी मादुरो की पत्नी की सेहत: 11 किलो वजन घटा; दिल की बीमारी के बीच घर में नजरबंदी की मांग क्यों

अल्बानी, एजेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की पत्नी और देश की पूर्व प्रथम महिला सीलिया फ्लोरेस ने अमेरिका की अदालत से जेल से बाहर आने की मांग की है। 69 वर्षीय फ्लोरेस इस समय ब्रुकलिन की संघीय जेल में बंद हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि जेल में रहने के दौरान उनकी दिल की बीमारी और बिगड़ गई है। इसलिए उन्हें मुकदमे की सुनवाई तक जेल के बजाय घर में नजरबंद रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। फ्लोरेस के वकीलों ने बुधवार को अदालत में आवेदन दिया है। उन्होंने मैनहट्टन संघीय अदालत के क्षेत्र में घर में रखने की मांग की। अगले साल जून में फ्लोरेस और मादुरो का मुकदमा होना है। घर में रहने के दौरान 24 घंटे सशस्त्र निगरानी की बात कही गई है।

घर में नजरबंदी की स्थिति में फ्लोरेस पर कैसी पाबंदियां रहेंगी : वकीलों मार्क डोनेली और एंड्रेस सांचेज ने अदालत को बताया कि घर में रहने की अनुमति मिलने पर फ्लोरेस की कड़ी निगरानी की जाएगी। उनके मुताबिक, उन्हें 24 घंटे सशस्त्र सुरक्षा में रखा जाएगा। उनसे मिलने वाले लोगों को अदालत और संघीय अभियोजकों से मंजूरी लेनी होगी। घर में वीडियो के जरिये निगरानी होगी और उनके फोन कॉल रिकॉर्ड किए जाएंगे। यानी वकील जेल से बाहर आने की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूरी तरह खुली आजादी नहीं।

फ्लोरेस कई वर्षों से माइट्रल वाल्व प्रोलैप्स नाम की दिल की बीमारी से जूझ रही हैं। वकीलों का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद से उन्हें इस बीमारी को संभालने के लिए जरूरी मासिक इंजेक्शन नहीं मिला है। इसके बजाय उन्हें बेबी एस्पिरिन, स्टैटिन और डिल्टियाजेम

दी जा रही हैं, जबकि सीने में दर्द होने पर नाइट्रोग्लिसरीन लेने को कहा गया है। फ्लोरेस लगातार रिफ्लक्स और गैस्ट्राइटिस से भी परेशान हैं। जेल में रहते हुए उनके दो दांत निकल चुके हैं। उनका वजन 11.3 किलोग्राम से ज्यादा कम हो गया है। डॉक्टरों ने उन्हें कार्डियक कैथेटराइजेशन कराने की सलाह दी है। फ्लोरेस और उनके पति निकोलस मादुरो को जनवरी की शुरुआत में काराकास स्थित उनके घर से अमेरिकी बलों ने आधी रात की कार्रवाई में हिरासत में लिया था। इसके बाद दोनों को न्यूयॉर्क लाया गया। अमेरिका ने दोनों पर कोकीन को अमेरिका पहुंचाने की साजिश में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। दोनों ने इन आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। अलग अदालत में दाखिल एक याचिका में दोनों ने अपने खिलाफ आरोपपत्र खारिज करने की मांग भी की है। उनका कहना है कि किसी विदेशी देश के नेता और प्रथम महिला होने के कारण उन्हें कानूनी छूट यानी इम्युनिटी हासिल है। अभी अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने फ्लोरेस की घर में नजरबंदी की मांग पर जवाब दाखिल नहीं किया है। मैनहट्टन स्थित अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के प्रवक्ता ने भी टिप्पणी करने से इनकार किया है।

पुतिन का प्लेन नहीं, कमांड सेंटर: किसमें हैं रूसी राष्ट्रपति पहचानना मुश्किल; क्यों साथ उड़ते हैं दो विमान

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। लेकिन उनकी यात्रा में सिर्फ कूटनीतिक मुलाकातें ही चर्चा में नहीं हैं। उनके भारत आने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। पुतिन जिस खास विमान से यात्रा करते हैं, उसकी सुरक्षा व्यवस्था इतनी गोपनीय रखी जाती है कि बाहर से यह पता लगाना मुश्किल होता है कि राष्ट्रपति आखिर किस विमान में सवार हैं। हाल की रिपोर्टों में उनके विमान को 'फ्लाइंग क्रेमलिन' भी कहा गया है।

इस यात्रा के दौरान खास बात यह रही कि पुतिन के साथ एक जैसा दूसरा विमान भी उड़ता दिखाई दिया। दोनों का मॉडल, रंग और बाहरी डिजाइन एक जैसा था। यानी आसमान से देखने वाले के लिए दोनों में अंतर करना आसान नहीं था। यही पूरी सुरक्षा रणनीति का सबसे अहम हिस्सा है।

दो एक जैसे विमान क्यों उड़ते हैं पुतिन के साथ : रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को से आईएल-96-300पीयू मॉडल के दो एक जैसे विमानों के साथ भारत के लिए उड़ान भरी। इनमें से एक विमान में राष्ट्रपति होते हैं, जबकि दूसरा डिकॉय विमान के तौर पर साथ उड़ता है। इसका मकसद यह भ्रम बनाए रखना है कि पुतिन वास्तव में किस विमान में मौजूद हैं।

डिकॉय फ्लाइट की रणनीति ऐसे समझें: दोनों विमान एक ही मॉडल के होते हैं और उनका रंग-रूप भी एक जैसा रखा जाता है, ताकि बाहर से पहचान करना मुश्किल रहे। दोनों विमान एक साथ उड़ान भरते हैं और पुतिन इनमें से किसी एक में होते हैं, लेकिन कौन से विमान में हैं, यह सार्वजनिक तौर पर पता नहीं चलता। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यही है कि किसी संभावित हमलावर के लिए पहले यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि राष्ट्रपति किस विमान में यात्रा कर रहे हैं। राष्ट्रपति के विमान की वास्तविक पहचान की जानकारी उनकी सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों तक ही सीमित रहती है।

क्या रडार पर भी दोनों विमानों को लेकर भ्रम पैदा किया जाता है :

दी गई जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ दो एक जैसे विमान उड़ाने तक सीमित नहीं है। दोनों विमानों के रडार सिग्नल में भी समय-समय पर बदलाव होता है। कभी एक विमान का सिग्नल बंद दिखाई देता है तो कभी दूसरे का। कुछ समय के लिए दोनों विमान ट्रैकिंग सिस्टम पर दिखाई नहीं देते। यही वजह है कि केवल सार्वजनिक फ्लाइट ट्रैकिंग के आधार पर यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि पुतिन किस विमान में हैं। इस तरह की डिकॉय ड्रिल पहले भी उनकी यात्राओं में दिखाई दे चुकी है।

कजाकिस्तान यात्रा में भी दिखी थी ऐसी ही रणनीति : कजाकिस्तान की यात्रा के दौरान दोनों विमानों को फ्लाइट ट्रैकर पर एक-दूसरे के बेहद करीब उड़ते देखा गया था। दोनों विमान लगभग एक ही गति से उड़ रहे थे, जिससे यह पहचानना और मुश्किल हो गया कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं।

उस समय दोनों विमानों की पहचान आरएसडी221 और आरएसडी369 के तौर पर हुई थी। इसके बावजूद सार्वजनिक ट्रैकिंग से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि पुतिन इनमें से किस विमान में सवार थे।

पुतिन का आईएल-96-300पीयू विमान आम विमान से कितना अलग : पुतिन का विमान आईएल-96-300पीयू सामान्य यात्री विमान का साधारण रूप नहीं है। यह आईएल-96-300 का विशेष रूप से तैयार किया गया संस्करण है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, पीयू का इस्तेमाल रूसी राष्ट्रपति के विशेष विमान के तौर पर होता है। इस विमान की सबसे महत्वपूर्ण खासियत उसकी सुरक्षित संचार व्यवस्था बताई जाती है।

इसमें सैटेलाइट फोन और ऐसी विशेष संचार सुविधाओं का जिक्र है, जिनकी मदद से राष्ट्रपति यात्रा के दौरान भी रूस से संपर्क में रह सकते हैं। विमान को मिसाइल हमले से बचाने के लिए विशेष सुरक्षा उपकरणों से लैस बताया गया है। इसी वजह से इसे आम राष्ट्रपति विमान से कहीं ज्यादा सुरक्षित और विशेष विमान माना जाता है। विमान में सैटेलाइट फोन और विशेष संचार व्यवस्था मौजूद होने की जानकारी दी गई है, ताकि यात्रा के दौरान भी संपर्क बना रहे। इसमें मिसाइल हमले से बचाने वाली विशेष सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र है, जो विमान की सुरक्षा को मजबूत बनाती है।

'द रिवोल्यूशनरीज' उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है जिनके बारे में कम चर्चा हुई

वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' आजादी की लड़ाई के उन युवा क्रांतिकारियों की कहानी है, जिनके बारे में कम चर्चा हुई। यह सीरीज संजीव सान्याल की किताब 'रेवोल्यूशनरीज: द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' पर आधारित है। बातचीत में डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने बताया कि 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के बाद उन्हें लगा कि ऐसी कहानियों में यूथ का नजरिया मिसिंग था। उन्होंने प्रतिभा रांटा की तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह शो के लिए मना कर देतीं तो उनका दिल टूट जाता। निखिल ने मनोज बाजपेयी का किस्सा भी सुनाया, जिन्होंने 25 साल बाद साथ काम करने पर पूछा था- 'अब आए हो?'

'द रिवोल्यूशनरीज' में ऐसा क्या था, जो आपको पहले की कहानियों में मिसिंग लगा?

मुझे लगा कि यूथ मिसिंग था। हमने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, ऊधम सिंह और जलियांवाला बाग के बारे में बहुत पढ़ा है। लेकिन इनसे करीब 10 साल पहले भी एक समानांतर कहानी चल रही थी। रिसर्च करते हुए मुझे लगा कि इन युवाओं की कहानी भी बतानी चाहिए। उस समय के क्रांतिकारियों में एक अलग तरह का जुनून था। उन्होंने तय कर लिया था कि अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना है। कैसे करेंगे, यह बाद की बात थी। यही जुनून मुझे इस कहानी में सबसे ज्यादा आकर्षित करता है।

प्रतिभा रांटा में आपको वह प्रतिभा कब नजर आई, जो इस किरदार के लिए जरूरी थी?

मेरे लिए किसी एक्टर के पास जाना सिर्फ कास्टिंग नहीं है। मैं किसी कलाकार के पास तब तक नहीं जाना चाहता, जब तक मेरे पास उसके लिए ऐसा कुछ न हो, जिसमें वह पूरी तरह डूब सके। प्रतिभा के मामले में भी ऐसा ही था। मुझे पता था कि वह बहुत अच्छी एक्टर हैं, लेकिन यह समझना भी जरूरी था कि वह किरदार को किस तरह अपने अंदर उतारेंगी। हमने कई सीन्स पर महीनों चर्चा की। एक-एक लाइन पर बात की कि इसका मतलब क्या है और इसे किस तरह करना है। अगर प्रतिभा ने इस शो के लिए मना कर दिया होता, तो मैं सच में मेरा दिल टूट हो जाता। क्योंकि उन्होंने इस किरदार के लिए जो दिया है, वह बहुत खास है। मैं हमेशा मानता हूं कि एक एक्टर के अंदर यह चुनौती होनी चाहिए कि क्या मैं इस सीन को और बेहतर कर सकता हूं? क्या मैं इसे पेपर पर लिखे हुए सीन से आगे ले जा सकता हूं? अगर यह चुनौती नहीं है तो काम बोरिंग हो जाता है।

आपने कहा कि आप किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नहीं लेते कि वह बड़ा नाम है। मनोज बाजपेयी का 25 साल वाला किस्सा क्या है?

मनोज बाजपेयी मुझसे करीब 25 साल से कहते रहे थे कि मेरे साथ काम करना है। जब मैं आखिरकार उनके पास 'सत्यमेव जयते' लेकर गया तो उन्होंने मुझसे कहा- 'अब आए हो?'

मैं किसी बिजी स्टार के पीछे भागने में विश्वास नहीं करता। मेरे लिए जरूरी है कि मेरे पास उस कलाकार के लिए सही किरदार हो। मैं किसी एक्टर के पास सिर्फ इसलिए नहीं जाता कि वह बड़ा नाम है। मुझे ऐसा किरदार लेकर जाना होता है, जिसमें वह अपने दांत गड़ा सके और पूरी तरह डूब सके।

क्या 'द रिवोल्यूशनरीज' जैसी कहानी पर फिल्म भी बनाई जा सकती है?

बिल्कुल बनाई जा सकती है। लेकिन मुझे सीरीज का फॉर्मेट पसंद है, क्योंकि इसमें किरदारों को ज्यादा गहराई से एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है। इसमें रोमांस है, एक्शन है और कई किरदारों की अपनी अलग परतें हैं। अगर यह फिल्म होती तो भी मैं इन्हीं कलाकारों के साथ काम करता। मैंने रोहित, प्रतिभा और बाकी कलाकारों को इसलिए चुना क्योंकि वे मेरे दिमाग में मौजूद किरदारों के लिए बिल्कुल सही थे। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि फॉर्मेट ओटीटी है या फिल्म। सही कलाकार और सही किरदार सबसे ज्यादा जरूरी हैं।

सोहेल खान के डायरेक्टोरियल डेब्यू का हिस्सा बने सलमान

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान जल्द ही बतौर हीरो बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। सलमान खान अपने भतीजे की इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। जाहिर है, फिल्म में सलमान की मौजूदगी से अरहान के डेब्यू को बड़ा सपोर्ट मिल सकता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने अपने परिवार के किसी सदस्य के करियर को सपोर्ट करने के लिए फिल्मों में काम किया हो। सोहेल खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हो या उनका डायरेक्शन में कमबैक, सलमान ने दोनों मौकों पर भाई का साथ दिया और उनकी फिल्मों में लीड रोल कर कमान संभाली। वहीं, जब अरबाज खान की बतौर लीड एक्टर फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं, तब सलमान ने उन्हें अपनी फिल्मों में काम दिया और बाद में प्रोडक्शन और डायरेक्शन की दूसरी पारी में भी उनका साथ दिया। इतना ही नहीं, सलमान ने अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा के पति आयुष शर्मा और बहन अलविरा अग्निहोत्री की बेटी अलिजेह अग्निहोत्री को भी अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए लॉन्च किया।

सोहेल खान ने साल 1997 में फिल्म 'औजार' से बतौर डायरेक्टर करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में सलमान खान ने लीड रोल निभाया था। करीब 5 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी। इसके बाद सोहेल खान ने साल 1998 में 'प्यार किया तो डरना क्या' डायरेक्ट की। इस फिल्म में भी सलमान खान लीड रोल में नजर आए। सोहेल ने फिल्म की कहानी लिखने के साथ-साथ इसे प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

सलमान की फिल्मों में सोहेल बने प्रोड्यूसर

सोहेल खान ने डायरेक्शन से ब्रेक के दौरान बतौर प्रोड्यूसर भी काम किया। वह सलमान खान की कई फिल्मों से प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े रहे। इनमें 'लकी: नो टाइम फॉर लव', 'मैंने प्यार क्यों किया?', 'पार्टनर', 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो', 'मैं और मिसेज खन्ना' और 'रेडी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इस तरह सलमान की फिल्मों के जरिए सोहेल का प्रोडक्शन करियर भी लगातार चलता रहा।

ईशा रिखी ने बताई बिग बॉस 20 में आने की वजह

मशहूर रैपर बादशाह से अलग होने के बाद अभिनेत्री ईशा रिखी की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। निजी जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखने वाली ईशा अब 'बिग बॉस 20' के घर में अपने बारे में खुलकर बात कर रही हैं। अब वह अपने अतीत को बार-बार याद करने के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहती हैं। यही वजह है कि उन्होंने उस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया। बातचीत में ईशा ने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 'बिग बॉस' का हिस्सा बनूंगी। मैं काफी निजी स्वभाव की रही हूं और मुझे लगा करता था कि शो का माहौल और तरीका मेरी जिंदगी से बिल्कुल अलग है। जब मुझे शो का ऑफर मिला तो मैंने तुरंत हां नहीं की। मैंने काफी सोचा और अपनी उन झिझक पर भी विचार किया, जिसकी वजह से मैं इस शो से दूर रहना चाहती थीं। आखिरकार मैंने तय किया कि अब डर और हिचक को पीछे छोड़ने का समय है और फिर शो में जाने का फैसला किया।'' ईशा रिखी ने कहा, ''जिंदगी में कुछ बड़ा झेलने के बाद ही कई बार इंसान को अपनी असली ताकत का पता चलता है। मुझे भी अब लगता है कि मैं इस शो में खुद को संभाल सकती हूं और यहां टिक सकती हूं। मैंने जितना समय फिल्मी दुनिया में बिताया है, उसे देखते हुए मुझे हमेशा लगता था कि मैं 'बिग बॉस' जैसे शो के लिए सही नहीं हूं लेकिन धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि अगर इंसान के भीतर आत्मविश्वास है तो जगह मायने नहीं रखती। मैं कहीं भी जाऊं, अपनी पहचान बना सकती हूं।''

ईशा ने आगे कहा, ''यह शो मेरे लिए खुद को लोगों के सामने अपने तरीके से रखने का मौका है। ऑफर मिलने के बाद मेरे मन में यह भी था कि शो के जरिए दर्शकों को पता चल सकेगा कि मैं असल जिंदगी में कैसी हूं और मेरा स्वभाव कैसा है। एक कलाकार के लिए अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना आसान नहीं होता। लोगों की राय, चर्चाएं और तरह-तरह की बातें कई बार काम पर भी असर डालती हैं। मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है और कभी

किसी दौड़ का हिस्सा बनने की कोशिश नहीं की।'' निजी जिंदगी से जुड़े सवालों पर भी ईशा ने कहा, ''आगे जो भी स्थिति आएगी, मैं उसे उसी समय संभालूंगी। मैं अब ऐसी बातों पर अपनी ज्यादा एनर्जी नहीं लगाना चाहतीं, जिनके बारे में मैं खुद बात नहीं करना चाहतीं। मैं हर किसी को सफाई नहीं दूंगी। जो बातें मैं साझा नहीं करना चाहती, उन्हें अपने तक ही रखूंगी।'' शो के अंदर होने वाले झगड़ों को लेकर भी ईशा ने कहा, ''घर में लड़ाई-झगड़े होना कोई नई बात नहीं है। असल जिंदगी में भी परिवार और दोस्तों के बीच मतभेद होते हैं, लेकिन 'बिग बॉस' के घर में यह सब किस स्तर तक जाएगा, इसका अंदाजा मुझे अभी नहीं है।'' 'बिग बॉस 20' में ईशा की एंट्री ऐसे समय हुई है, जब उनकी निजी जिंदगी पहले से ही चर्चा में है। बादशाह और ईशा ने हाल ही में आपसी सहमति से अलग होने की जानकारी साझा की थी।

दानिश पंडोर के हाथ लगी बड़ी फिल्म

आमिर के साथ निभाएंगे अहम किरदार

अभिनेता दानिश पंडोर को फिल्म 'धुरंधर' में उनके किरदार उजैर बलोच के लिए काफी पसंद किया गया था। अब एक्टर जल्द आमिर खान की फिल्म 'ललकारा' में अभिनय करते दिखेंगे। जानें एक्टर की अगली फिल्म के बारे में... दानिश पंडोर ने रणवीर सिंह अभिनीत स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' से अपनी असल पहचान बनाई थी।

बातचीत में उन्होंने बताया कि वह जल्द आमिर खान के साथ उनकी फिल्म 'ललकारा' में दिखाई देंगे। हालांकि पंडोर को कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिले। मगर उन्होंने आमिर की फिल्म साइन कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह आमिर खान के दोस्त का किरदार निभाएंगे।

फिल्म के लिए चल रही ट्रेनिंग

फिल्म 'ललकारा' के लिए आमिर खान, सिद्धांत गुप्ता, दानिश पंडोर तीनों ही क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रहे हैं। अपने-अपने किरदारों के लिए एक्टर्स अपनी फिजीक में काफी बदलाव कर रहे हैं। फिल्म में आमिर खान स्वतंत्र भारत के पहले क्रिकेट कप्तान, क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी अब तक नहीं मिली है।

फिल्म 'ललकारा' भारत के पहले क्रिकेट कप्तान लाला अमरनाथ के जीवन पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। फिल्म को पियूष गुप्ता और नीरज सिंह ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की एक्सेल एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म के बैनर तले हो रहा है। फिल्म की शूटिंग नवंबर 2026 से शुरू हो सकती है।

कौन हैं दानिश पंडोर

दानिश पंडोर ने साल 2025 में फिल्म 'धुरंधर' और 2026 में 'धुरंधर 2' में अभिनय किया था। इस फिल्म में उन्होंने उजैर बलोच का किरदार निभाया, इस किरदार में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। पिछले दिनों वह इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में भी नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अफजल का किरदार निभाया था। फिल्मों में आने से पहले दानिश ने कई हिंदी टीवी सीरियल किए थे, जिनके जरिए उन्हें अच्छी-खासी पहचान मिली।

आम्रपाली दुबे ने बताया अपना स्टारडम का राज

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। शो में आने के बाद उनके करियर और अब तक के सफर को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। आम्रपाली उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि, आम्रपाली का कहना है कि उनका स्टारडम सिर्फ उनकी लोकप्रियता की वजह से नहीं आया, बल्कि उनकी एक्टिंग ने उन्हें वह सम्मान दिलाया, जो एक अभिनेत्री के तौर पर उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि भोजपुरी और क्षेत्रीय सिनेमा में फीमेल एक्टर्स को अक्सर ऐसे किरदारों तक सीमित कर दिया जाता है, जिनमें उनके पास परफॉर्म करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता। आईएएनएस ने जब आम्रपाली से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें एक एक्ट्रेस के तौर पर पर्याप्त सम्मान दिया या फिर उनकी स्टार पावर को ज्यादा महत्व मिला। इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे अपनी एक्टिंग स्किल्स की वजह से बहुत ज्यादा सम्मान मिला। महिला कलाकारों को उनकी एक्टिंग के लिए इतना सम्मान मिलना क्षेत्रीय सिनेमा में आम बात नहीं है, क्योंकि अक्सर फीमेल एक्टर्स को सीमित और सिर्फ सजावटी तरह के किरदारों में देखा जाता है।''

आम्रपाली ने कहा, ''एक महिला कलाकार के लिए रीजनल सिनेमा में कई बार ऐसे रोल की सीमा तय कर दी जाती है, जिनमें वह सिर्फ फिल्म की खूबसूरती बढ़ाने तक रह जाती है। लेकिन मैं खुद को इस मामले में काफी लकी मानती हूं। मुझे लगातार ऐसे फिल्मों और प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का मौका मिला, जिनकी कहानियां और कॉन्सेप्ट अलग थे। इन फिल्मों में मेरे किरदार भी एक जैसे नहीं थे और हर बार मुझे कुछ नया करने का मौका मिला।''

अपने करियर में निभाए गए किरदारों का जिक्र करते हुए आम्रपाली ने कहा, ''मैंने एक पाकिस्तानी लड़की का रोल भी किया है। मैं पर्दे पर एक हैदराबादी लड़की का किरदार भी निभा चुकी हूं। भोजपुरी इंडस्ट्री में मुझे कई अलग-अलग तरह के रोल करने का मौका मिला और दर्शकों ने भी मेरे हर अंदाज को पसंद किया। पहले लोगों ने मेरे किरदारों और एक्टिंग को पसंद किया और उसके बाद ही मुझे स्टार का खिताब मिला।'' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

उत्तराखण्ड: पार्किंग सुविधाओं का हुआ विकास, 63 परियोजनाओं का कार्य पूर्ण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की साल दर साल बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रदेश सरकार आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में जुट गई है। ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने और चारधाम यात्रा को और सुगम बनाने के लिए युद्धस्तर पर काम हो रहा है। आवास विभाग उत्तराखण्ड पार्किंग सुविधाओं के विकास में जुटा है। चार वर्षों में आवास विभाग ने 63 पार्किंग परियोजनाओं के तहत 4202 वाहनों की क्षमता की पार्किंग का निर्माण कराया है। धामी सरकार के इस कदम से जहां पर्वतीय जिलों में आम लोगों और पर्यटकों को जाम से राहत मिली है, वहीं स्थानीय लोगों की राह भी आसान हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड में पर्यटक सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार किया जा रहा है। पर्यटकों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पार्किंग सुविधाओं के विकास पर विशेष फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री के दिशा निर्देश पर उत्तराखण्ड का आवास विभाग पर्वतीय जनपदों के प्रमुख शहरों, तीर्थ स्थलों और पर्यटन केंद्रों में पार्किंग नेटवर्क के विस्तार में जुटा है। स्थान की उपलब्धता के अनुसार सरफेस पार्किंग, बहुमंजिला (मल्टीलेवल) पार्किंग और ऑटोमेटेड पार्किंग का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड देश-दुनिया के पर्यटकों और श्रद्धालुओं का पसंदीदा गंतव्य बन गया है। पिछले वर्ष ही छह करोड़ से अधिक लोग यहां पहुंचे हैं। इसको देखते हुए प्रदेश सरकार लगातार यात्री सुविधाओं का विस्तार कर रही है। जाम की समस्या से निपटने के लिए सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों और चार धाम यात्रा मार्गों पर पार्किंग सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। आवास विभाग और अन्य एजेंसियां इस काम में जुटी हैं। उत्तराखण्ड सरकार के सचिव, आवास एवं राज्य संपत्ति विभाग डॉ. आर राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के दिशानिर्देशों के क्रम में प्रदेश में पार्किंग सुविधाओं के विकास पर जोर दिया गया है। पर्वतीय जनपदों में 63 पार्किंग परियोजनाओं का कार्य पूर्ण होने के बाद पार्किंग की समस्या काफी हद तक हल हो गई है। इससे पर्यटकों और श्रद्धालुओं के साथ ही स्थानीय नागरिकों को भी राहत मिली है।

हल होगी नैनीताल और कैंची धाम में पार्किंग समस्या

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर अब सरोवर नगरी नैनीताल में पार्किंग की समस्या हल हो सकेगी। प्रदेश सरकार मेट्रोपोल होटल परिसर क्षेत्र में पार्किंग का निर्माण कर रही है। इस पार्किंग के तैयार होने पर लगभग 700 वाहन यहां पार्क किए जा सकेंगे। वहीं सुप्रसिद्ध कैंची धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बहुमंजिला (मल्टी लेवल) पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है। इस पार्किंग में एक बार में पांच सौ से अधिक वाहन पार्क किए जा सकेंगे।

आवास विभाग की विकसित पार्किंग एक नजर में

जनपद	वाहन क्षमता
अल्मोड़ा	1087
नैनीताल	679
चंपावत	600
उत्तरकाशी	477
पिथौरागढ़	309
रुद्रप्रयाग	304
पौड़ी	256
चमोली	201
टिहरी	163
बागेश्वर	126

हाथी ने ग्रामीण को पटक–पटककर मार डाला

डोईवाला। कांसरो वन रेंज के अंतर्गत मारखम ग्रांट झबरावाला गांव में शुक्रवार की रात स्कूटी से घर लौट रहे दो ग्रामीणों के सामने अचानक हाथी आ गया। दोनों ने जान बचाने के लिए भागने का प्रयास किया। इस दौरान हाथी ने एक ग्रामीण को अपनी चपेट में लेकर पटक–पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उपचार के दौरान ग्रामीण की मौत हो गई। वहीं, दूसरा व्यक्ति भागने में सफल रहा। राजा जी टाईगर रिजर्व के कांसरो वन रेंज के अंतर्गत मारखम ग्रांट झबरावाला के बुल्लावाला अनुभाग की कालबन बीट की सीमा से लगे जमीदारा मिलान हाथी कुंड क्षेत्र में स्कूटी सवार नफीस और जमील अहमद निवासी झबरावाला स्कूटी से घर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से हाथी आ गया। इससे पहले दोनों कुछ समझ पाते स्कूटी छोड़कर जैसे ही भागने लगे। हाथी ने जमील अहमद (51) पुत्र असगर अली निवासी झबरावाला मारखम ग्रांट को चपेट में लेकर जोर से पटक दिया। घटना से घबराए नफीस ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया। निजी वाहन से घायल जमील को हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट लाया गया, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी शीलत वैद्य टीम के साथ मौके पर पहुंची।

चीरबासा पैदल मार्ग बहाल, दो हजार तीर्थयात्री धाम रवाना

रूद्रप्रयाग। गौरीकुंड–केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा में चट्टान खिसकने और मलबा आने से दो दिन से बाधित यात्रा मार्ग को शनिवार को घोड़े–खच्चरों और तीर्थ यात्रियों की आवाजाही के लिए पूरी तरह बहाल कर दिया गया। मार्ग खुलने के बाद सोनप्रयाग में रोके गए करीब दो हजार तीर्थ यात्रियों को भी मौसम में सुधार होते ही केदारनाथ धाम के लिए रवाना कर दिया गया। बृहस्पतिवार देर रात चीरबासा क्षेत्र में पहाड़ी से चट्टान और मलबा आने के कारण पैदल मार्ग पर आवाजाही बाधित हो गई थी। मार्ग बाधित होने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से सोनप्रयाग से केदारनाथ जाने वाले तीर्थ यात्रियों को वहीं रोक दिया गया था। हालांकि, बीच–बीच में मौसम अनुकूल होने पर कुछ यात्रियों को एहतियात के साथ गौरीकुंड की ओर भेजा जा रहा था। शनिवार को

चीरबासा में मार्ग पूरी तरह खुलने के बाद पैदल मार्ग पर तीर्थ यात्रियों की आवाजाही शुरू हो गई और यात्रा मार्ग एक बार फिर श्रद्धालुओं से आवाजाही बढ़ी है। लोनिवि के गुप्तकाशी के अधिशासी अभियंता सुनील सिंह ने बताया कि गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच संवेदनशील स्थानों पर विभाग के कर्मचारी और मजदूर तैनात हैं।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर होगा महायज्ञ

ऋषिकेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर को त्रिवेणी घाट परिसर में 1008 कुंडीय हवन महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस महायज्ञ में संत समाज, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं के साथ ही स्थानीय नागरिक भी भाग ले सकेंगे। त्रिपुरा पीठाधीश्वर हरिओम महाराज के नेतृत्व में होने वाले महायज्ञ को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मेयर शंभू पासवान ने बताया कि त्रिवेणी घाट परिसर में पहली बार 1008 कुंडीय हवन–यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

चारधाम की यात्रा में अभी तक करीब 76 करोड़ की आय हुई अर्जित

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा ट्रांजिट में स्थित श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कैंप कार्यालय में शनिवार को मंदिर समिति की बोर्ड बैठक आयोजित की गई। इसमें चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में तैयारियां करने सहित कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि चारधाम यात्रा में अभी तक 76 करोड़ की आय अर्जित हुई है। द्विवेदी ने कहा कि अब दूसरे चरण की चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। अभी तक चारधाम यात्रा में 50 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने श्री हेमकुंड साहिब सहित चारधाम के दर्शन किए हैं। वहीं, बदरीनाथ और केदारनाथ में 32 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए। बताया कि बदरीनाथ धाम पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 17,22,908 और केदारनाथ धाम पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 14,92,047 है। दोनों

धामों से 76 करोड़ से अधिक आय प्राप्त हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में अभी तक 20 फीसदी अधिक श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। बैठक में द्वितीय चरण की यात्रा व्यवस्थाओं को दुरुस्त किए जाने, गुप्तकाशी स्थित शोणितपुर में संस्कृत महाविद्यालय का नाम श्रीनिवास पोस्ती के नाम से रखे जाने, वेबसाइट का आधुनिकीकरण करने, धामों और अधीनस्थ मंदिरों में सीसीटीवी लगाए जाने, चढ़ावे के गणनाकार्य को अधिक पारदर्शी करने, अस्थायी कर्मचारियों के नियमितीकरण करने, भीड़ प्रबंधन के लिए विषय विशेषज्ञों से सहायता लेने आदि के प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में बीकेटीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन सिंह रंगड़, उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, उपाध्यक्ष विजय कप्रवान, नीलम पुरी, राजपाल जड़धारी, महेंद्र शर्मा, दिनेश डोभाल, विनीत पोस्ती, प्रहलाद पुष्पवाण, देवी प्रसाद देवली, राजेन्द्र डिमरी, धीरज पंचभैया, जेपी सेमवाल, विपिन तिवारी, राजन नैथानी, राकेश सेमवाल, डॉ. हरीश गौड़ आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता पखवाड़े के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की

ढालवाला। नगर पालिका परिषद मुनि की रेती–ढालवाला की ओर से आगामी 18 अगस्त से दो अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़े का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान नगर और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए विभिन्न जन–जागरूकता और सफाई कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। स्वच्छता पखवाड़े के तहत रोजाना वार्ड स्तर पर सफाई अभियान चलाए जाएंगे जिसमें स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और जन प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर रैली, चित्रकला प्रतियोगिता और प्लॉगिंग रन का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया जाएगा। पालिका प्रशासन ने बताया कि गांधी जयंती के अवसर पर पखवाड़े का समापन किया जाएगा जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले पर्यावरण मित्रों और समाजसेवियों को सम्मानित भी किया जाएगा। पालिका ने समस्त नगरवासियों से इस अभियान से जुड़कर मुनि की रेती को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने में सहयोग देने की अपील की है।

हरितालिका तीज और गणेश चतुर्थी पर बन रहा दुर्लभ संयोग

ऋषिकेश। हरितालिका तीज और गणेश चतुर्थी दोनों मुख्य त्योहार एक ही दिन 14 सितंबर सोमवार को मनाए जाएंगे। हिंदू पंचांग में तिथियों के घट–बढ़ यानी क्षय तिथि के कारण दोनों पर्व का एक ही दिन होने से अत्यंत शुभ और दुर्लभ संयोग बन रहा है। ज्योतिषाचार्य पं. मनोज पाठक के अनुसार, एक ही दिन दोनों पर्व आने से पूजा–अर्चना का विशेष फल प्राप्त होगा। पं. मनोज पाठक ने बताया कि हरितालिका तीज का पूजन सुबह 06:05 बजे से 07:06 बजे तक तृतीया तिथि में शिव–पार्वती की आराधना के लिए सबसे उत्तम रहेगा। इसके बाद गणेश चतुर्थी की मूर्ति स्थापना और पूजन का मध्याह्न मुहूर्त दोपहर 10:00 बजे से 01:31 बजे तक रहेगा जो चतुर्थी तिथि के दौरान गणपति स्थापना के लिए अत्यंत शुभ समय है। जो महिलाएं हरितालिका तीज का निर्जला व्रत रखती हैं, वह सुबह के मुहूर्त में भगवान शिव और माता पार्वती की मिट्टी की प्रतिमा बनाकर विधि–विधान से पूजन संपन्न कर सकती हैं। तीज की पूजा पूरी करने के बाद मध्याह्न मुहूर्त में घर में श्री गणेश जी की नई प्रतिमा स्थापित की जा सकती है और उन्हें मोदक व दुर्वा अर्पित करके आरती उतारी जा सकती है।

दुकान का ताला तोड़कर मोबाइल फोन चोरी

जौलीग्रांट। श्रीदेव सुमन जौलीग्रांट चौक के पास मोबाइल फोन की दुकान का ताला तोड़कर चोर कई मोबाइल फोन और अन्य सामान चोरी कर ले गए। वहीं अठूरवाला वार्ड सात स्थित भैरो मंदिर के पास जल संस्थान के नलकूप से मुख्य विद्युत केबल चोरी होने से सैकड़ों लोगों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया है। गौरव राठौर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चौक के पास भारतीय स्टेट बैंक के सामने उनकी ग्लोबल मोबाइल स्टोर नाम से दुकान है। बीती रात चोर दुकान का ताला तोड़कर कई मोबाइल फोन और अन्य सामान चोरी कर ले गए। वहीं, वार्ड सात के सभासद राजेश भट्ट ने बताया कि भैरो मंदिर स्थित जल संस्थान के नलकूप से चोर मुख्य विद्युत केबल काटकर ले गए। इससे क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। जल संस्थान के सहायक अभियंता विनोद असवाल ने बताया कि नलकूप से दूसरी बार विद्युत केबल चोरी हुई है। प्रभारी निरीक्षक राकेश गुसाईं ने बताया कि सभी मामलों में जांच की जा रही है।

राजभर संगठन की नई प्रदेश कार्यकारिणी का हुआ गठन

ऋषिकेश। अखिल भारतीय राजभर संगठन उत्तराखंड की नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी ने कार्यालय में पूर्व मेयर अनिता ममगाईं से शिष्टाचार भेंट की। प्रदेश अध्यक्ष परमेश्वर राजभर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नई कार्यकारिणी के गठन की जानकारी दी और संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। पूर्व मेयर अनिता ममगाईं ने नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का माल्यार्पण स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राजभर संगठन समाज के युवाओं को संगठित कर उन्हें शिक्षा और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए सराहनीय प्रयास कर रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल डिजाइन बन रहे युवतियों की पसंद

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में मौसम के मिजाज में बदलाव के साथ ही कपड़ों के बाजार में भी फैशन का नया ट्रेंड दस्तक देने लगा है। घाट रोड बाजार के कपड़ा कारोबारियों के मुताबिक, सोशल मीडिया पर जैसे ही किसी कपड़े का नया डिजाइन वायरल होता है उसकी मांग स्थानीय बाजार में भी पहुंच जाती है। इनमें जर्सी और कोरियन टॉप की अधिक मांग की जा रही है। ग्राहकों की बदलती पसंद को देखते हुए व्यापारियों को हर सप्ताह नए डिजाइन और वैरायटी का स्टॉक मंगाने के लिए ऑर्डर देना पड़ रहा है।

घाट रोड बाजार के कपड़ा व्यापारी आकांक्षा और प्रदीप कुमार ने बताया कि इन दिनों युवतियों के बीच जर्सी टी–शर्ट, ऑफ–शोल्डर, फ्रॉक टॉप, क्रॉप टॉप, जिपर शर्ट, बॉडीकॉन टॉप और स्ट्रैप वाले टॉप की मांग बढ़ी है। सोशल मीडिया पर नए डिजाइन देखने के बाद ग्राहक सीधे उन्हीं

डिजाइनों की मांग कर रहे हैं। ऐसे में व्यापारियों के लिए बाजार के बदलते फैशन ट्रेंड के अनुरूप कपड़े उपलब्ध कराना जरूरी हो गया है। व्यापारियों के अनुसार, सुबह और शाम हल्की ठंड के बीच दोपहिया वाहनों से आवागमन करने वाले युवाओं के लिए जर्सी और टी–शर्ट जैसी वैरायटी आरामदायक भी साबित हो रही है। बाजार में इन कपड़ों की कीमत लगभग 500 से 1200 रुपये तक है। कपड़ा व्यापारी आकांक्षा ने बताया कि कोरियन टॉप भी कॉलेज जाने वाली युवतियों के बीच खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। कॉलेज छात्राओं में इनकी मांग अधिक है। त्योहारों का सीजन शुरू होने के साथ ही इनकी बिक्री में और तेजी आने की उम्मीद है। आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए व्यापारियों ने बाजार में नए डिजाइन और बदलते फैशन ट्रेंड के अनुरूप कपड़ों की नई खेप मंगाने की तैयारी शुरू कर दी है। कारोबारियों का मानना है कि इस बार सोशल मीडिया ट्रेंड और त्योहारों की खरीदारी कपड़ों के बाजार में बिक्री बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

साहिया कॉलेज में तीन दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

साहिया, सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय (पी.जी.) कॉलेज, साहिया में क्रीड़ा विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय महाविद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शनिवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के प्रथम दिन बालक एवं बालिका वर्ग में कबड्डी की चयन स्पर्धा आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय की अंतर–महाविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए महाविद्यालय की दोनों वर्गों की टीमों का चयन करना रहा। चयन स्पर्धा में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने मैदान पर अपने खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायक अजय नौटियाल, हिमालयन स्पोर्ट्स एकेडमी के प्रवीन चौहान तथा महाविद्यालय के कोच अंकित शर्मा ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। स्पर्धा में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर बालक वर्ग से 14 तथा बालिका वर्ग से 14 खिलाड़ियों का चयन आगामी अंतर–महाविद्यालयीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। क्रीड़ा प्रभारी वरुण प्रसाद सेमवाल ने कहा कि महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को खेलों के प्रति लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। चयन स्पर्धाओं के माध्यम से प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ विश्वविद्यालय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल रहा है। महाविद्यालय के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी विकास होता है।

पूर्व प्रेमिका ने दी हत्या की सुपारी

देहरादून। बड़ोवाला क्षेत्र में बैंककर्मी सत्यम कुमार पर हुई फायरिंग के मामले में दून पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, सत्यम कुमार की दूसरी युवती से सगाई होने से नाराज उसकी पूर्व प्रेमिका मालिया रहमान ने कथित तौर पर उसे रास्ते से हटाने के लिए करीब 5 लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। पुलिस के अनुसार, हत्या की साजिश को अंजाम देने के लिए शूटर को 1.20 लाख रुपये एडवांस दिए गए थे। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों तक पहुंच बनाई एसएसपी देहरादून के निर्देशन में पटेलनगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद कथित शूटर अंकित चौहान को गिरफ्तार किया। पूछताछ और जांच में सामने आई कड़ियों के आधार पर पुलिस ने मालिया रहमान और उसके साथी मोहित को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी अंकुर फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

तीन दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

साहिया, सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय (पी.जी.) कॉलेज, साहिया में क्रीड़ा विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय महाविद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शनिवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के प्रथम दिन बालक एवं बालिका वर्ग में कबड्डी की चयन स्पर्धा आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय की अंतर–महाविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए महाविद्यालय की दोनों वर्गों की टीमों का चयन करना रहा। चयन स्पर्धा में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने मैदान पर अपने खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायक अजय नौटियाल, हिमालयन स्पोर्ट्स एकेडमी के प्रवीन चौहान तथा महाविद्यालय के कोच अंकित शर्मा ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। स्पर्धा में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर बालक वर्ग से 14 तथा बालिका वर्ग से 14

खिलाड़ियों का चयन आगामी अंतर–महाविद्यालयीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। क्रीड़ा प्रभारी वरुण प्रसाद सेमवाल ने कहा कि महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को खेलों के प्रति लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। चयन स्पर्धाओं के माध्यम से प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ विश्वविद्यालय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल रहा है। महाविद्यालय के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी विकास होता है।

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की बालक कबड्डी टीम लगातार दो बार अंतर–महाविद्यालयीय चैंपियन रह चुकी है, जबकि बालिका कबड्डी टीम ने गत वर्ष चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 12,444 मामलों का निस्तारण

देहरादून। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून के तत्वावधान में वर्ष 2026 की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय देहरादून सहित विकासनगर, ऋषिकेश, डोईवाला, मसूरी और चकराता के बाह्य न्यायालयों में आयोजित लोक अदालत में कुल 12,444 मामलों का निस्तारण किया गया। इन मामलों में कुल 30,33,93,475 रुपये की धनराशि पर समझौता हुआ। जिला मुख्यालय देहरादून में आयोजित लोक अदालत की अध्यक्षता जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष हरीश कुमार गोयल ने की। यहां फौजदारी के शमनीय प्रकृति के 242, चेक संबंधी 742, धन वसूली के 4, मोटर दुर्घटना क्लेम के 73, पारिवारिक

विवाद के 158, पब्लिक यूटिलिटी सर्विस के 29, मोटर वाहन अधिनियम के तहत शमनीय अपराधों के 3,858 तथा अन्य सिविल प्रकृति के 137 और अन्य समझौता योग्य 13 मामलों समेत कुल 5,541 मामलों का निस्तारण हुआ। इन मामलों में 26,49,89,532 रुपये की धनराशि पर समझौता किया गया। वहीं बाह्य न्यायालय विकासनगर में 1,316, ऋषिकेश में 557, डोईवाला में 179, मसूरी में 55 तथा चकराता में 73 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें क्रमशः 1,71,24,800 रुपये, 2,59,13,969 रुपये, 1,16,58,219 रुपये, 8,21,083 रुपये और 10,91,500 रुपये की धनराशि पर समझौते हुए। इसके अतिरिक्त विभिन्न बैंकों एवं अन्य संस्थानों से संबंधित प्री–लिटिगेशन स्तर के 6,903 मामलों का भी सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इन मामलों में 3,84,03,943 रुपये की धनराशि पर पक्षकारों के बीच समझौता हुआ। जिला जज हरीश कुमार गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालतें आमजन को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम हैं। आपसी सहमति और संवाद के जरिए विवादों का समाधान होने से समाज में शांति, भाईचारे और सामंजस्य को बढ़ावा मिलता है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

ओडिशा टी-20 लीग 2026

सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर बने रैना और देबाशीष मोहंती

कटक। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को **'ओडिशा टी 20 लीग'** 2026 सीएम ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह टूर्नामेंट 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की नियुक्ति से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ जाएगी। इस टूर्नामेंट का मकसद ओडिशा के युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपना हुनर दिखाने और कीमती अनुभव हासिल करने का मंच देना है। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटन्स, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 20 सितंबर को होगी, जिसमें पहला मैच संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स के बीच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में लीग-स्टेज और नॉकआउट मैच होंगे। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम को बाराबती स्टेडियम में होने वाले फाइनल में सीधे जगह मिलेगी। इस स्टेडियम में पहले भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर में एक-दूसरे का सामना करेंगी और जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। 28 सितंबर को महिलाओं का एक एग्जीबिशन मैच भी खेला जाएगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए एक और आकर्षण होगा। **'ओडिशा टी 20 लीग'** लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ग्रैंड फाइनल 29 सितंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दो बेहतरीन टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुरेश रैना ने कहा, 'छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी, जिससे 10 दिनों तक रोमांचक और जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए अपना हुनर दिखाने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को साबित करने का एक शानदार मंच होगा। अपनी तारीखें नोट कर लें और एक ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट के लिए तैयार हो जाएं। जय जगन्नाथ।'

देबाशीष मोहंती ने भी ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं और कहा, 'ओडिशा में क्रिकेट फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेली जाएगी, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने और दबाव वाले माहौल में खेलने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगा। मैं इस टूर्नामेंट को आयोजित करने की कोशिशों के लिए ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन का शुक्रगुजार हूं। मुझे यकीन है कि यह लीग फैंस के लिए बहुत रोमांचक क्रिकेट और यादगार पल लेकर आएगी। मैं सभी से गुजारिश करता हूं कि वे तारीखें नोट कर लें और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए जरूर आएं। जय जगन्नाथ।'

ओसीए सेक्रेटरी संजय बेहरा ने भी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा, **'ओडिशा टी 20 लीग'** सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती जैसे बेहतरीन भारतीय क्रिकेटरों का जुड़ना सम्मान की बात है। उनके जुड़ने से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ेगी और ओडिशा के युवा क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने और इस प्लेटफॉर्म पर अपना टैलेंट दिखाने की प्रेरणा मिलेगी।'

● एशियन गेम्स 2026 से पहले भारत को झटका

● अन्नू रानी ने 2022 में जीता था स्वर्ण पदक

3 एथलीट भारतीय दल से बाहर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को एक और झटका लगा है। हाल ही में जहां भारत के दो रेसलर डोपिंग के कारण बाहर हो गए थे। वहीं अब तीन स्टार एथलीट भारतीय दल से बाहर हो गए हैं। खास बात यह है कि इन तीन एथलीट में से एक नाम है भारत की स्टार महिला जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी का जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आपको बता दें पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी समेत उभरते हुए लॉन्ग जम्प एथलीट शहनवाज खान और रेसर नित्या गांधे को प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों के चलते भारत की एशियाई खेलों की एथलेटिक्स टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही जापान जाने वाली भारतीय ट्रैक एवं फील्ड टीम की संख्या घटकर 74 रह गई है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इससे पहले आगामी एशियाई खेलों के लिए 77 एथलीटों का चयन किया था। बृहस्तिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल के बाद टीम में बदलाव किया गया। इस प्रतियोगिता को अंतिम पुष्टि के लिए चयन ट्रायल के तौर पर आयोजित किया गया था।

एएफआई चयन समिति के अध्यक्ष अदिल सुमरिवाला ने पीटीआई से कहा, 'अन्नू ने बृहस्पतिवार को हुए अंतिम ट्रायल में एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग मार्क हासिल नहीं किया, इसलिए उन्हें एशियाई खेलों के लिए नहीं चुना गया।' उन्होंने कहा, 'नित्या और शहनवाज खराब प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों से एशियाई खेलों में नहीं जाएंगे।'

तीनों खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने का फैसला शुक्रवार को एएफआई चयन समिति की ऑनलाइन बैठक में लिया गया। अब भारतीय एथलेटिक्स टीम के 74 सदस्य शनिवार को नयी दिल्ली से जापान के लिए रवाना होंगे।

भारत-श्रीलंका 7वीं बार आज खेलेंगे फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच 13 सितंबर यानी रविवार को खेला जाएगा। महिला एशिया कप के इतिहास में ये 7वां मौका होगा जब खिताबी जीत के लिए भारत और श्रीलंका की टीम आमने-सामने होंगे। इससे पहले भारत और श्रीलंका के बीच 6 बार फाइनल मुकाबले खेले जा चुके हैं जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने इस बार बांग्लादेश और श्रीलंका ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

7वीं बार खेलेंगे फाइनल

भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप में 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 6 फाइनल खेले जा चुके हैं जिसमें से भारत को 5 बार जीत मिली जबकि श्रीलंका ने एक बार भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारत और श्रीलंका के बीच 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 और 2024 फाइनल में भिड़ंत हुई थी जिसमें से भारत ने 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 के फाइनल में श्रीलंका को हराया था। वहीं श्रीलंका की टीम ने साल 2024 के फाइनल में भारत को हराया था। अब दोनों देश 2026 में एक बार फिर से फाइनल में खेलते हुए नजर आएंगे। इस बार महिला एशिया कप का 10वां सीजन खेला जा रहा है। महिला एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी और पिछले 9 सीजन में भारत 7 बार चैंपियन बन चुका है। भारत ने साल 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2012, 2016, 2022 में चैंपियन बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी।

पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने कटाया फाइनल का टिकट

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने फाइनल में जगह बना ली है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की बल्लेबाजों ने पाकिस्तान से मिले 131 रनों के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल किया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान चमारी अटापट्टू 5 रन बनाकर फातिमा सना का शिकार बनीं। संजना कविंदी बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। हसीना परेरा सिर्फ 3 रन ही बना सकीं। इमेशा दुलानी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाईं और 21 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 36 रनों की अहम पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। कविशा दिलहारी ने 33 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में नीलाक्षी डी सिल्वा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए, जबकि कौशानी नुथ्यंगना 4 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर नीलाक्षी ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाते हुए श्रीलंका को फाइनल का टिकट दिलाया। इससे पहले, टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

यूएस ओपनः करेन खाचानोव को दी मात

अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला।

रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें। खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच

का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया। तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

'मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती', वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेंका

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेंका ने नंबर एक की पोजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं। एलेना रिबाकिना और आर्यना सबालेंका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेंका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पोजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है।

सार-समाचार

अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

गुयाना। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए। अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35

गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीव्स को चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, क्विंटन सैंपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए।

त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिरु कुमारा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरेन और उस्मान तारिक की किफायती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 8 विकेट पर 126 रन बनाए थे। जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 16 गेंदों पर 26, और एलेक्स हेल्स ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए। अकील हुसैन ने 12 और किरोन पोलार्ड ने 10 रन बनाए। गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ ने 2, जबकि ड्वेन प्रिटोरियस और कप्तान इमरान ताहिर ने 1-1 विकेट लिए।

कॉनर एस्टरहुइजेन ने खेली शतकीय पारी

साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे में नामीबिया को 157 रनों से रौंदा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को दूसरे वनडे मुकाबले में 157 रनों से रौंदा। साउथ अफ्रीका से मिले 336 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की पूरी टीम 178 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन और मालन क्रूगर बिना खाता

खोले पवेलियन लौटे। वहीं, जेन फ्रीलिंक भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए। लॉरेन स्टीनकैंप भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन भी महज 6 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया की टीम महज 32 के स्कोर पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, जेन ग्रीन ने कप्तान गेरहार्ड इरास्मस का साथ देने का प्रयास किया और छठे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। ग्रीन 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जैन बाल्ट ने सातवें विकेट के लिए इरास्मस संग मिलकर 71 रनों की साझेदारी निभाई। बाल्ट 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इरास्मस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों में 68 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। रुबेन ट्रम्पेलमैन ने 27 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि वाल्डो स्मिथ ने 10 रनों का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से डुआन जानसेन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, ईथन बॉश ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, साउथ अफ्रीका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और जॉर्डन हरमन 24 गेंदों में 20 रन बनाने के बाद आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कॉनर एस्टरहुइजेन और टोनी डी जोर्जी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 गेंदों में 183 रन जोड़े। टोनी जोर्जी ने 87 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए।